मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शुक्रवार, 24 जनवरी 2025

संवत 2081, माघ कृष्ण 11- मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 139 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ बच्चियों को उड़ने की आजादी दें, पंख खुद लगा लेंगी

हॉलीवुड की प्रमुख अभिनेत्रियों के बराबर हैं बॉलीवुड की सबसे स्टाइलिश अदाकारा मौनी रॉय ◀◀ 6

पुलिस वाहन और स्कूल वैन में टक्कर, कई बच्चों को आयीं चोटें

संवाददाता

रांची: राजधानी रांची में एक बड़ा हादसा सामने आया है, जहां एक आईपीएस अधिकारी की गाड़ी और एक स्कूल वैन आपस में टकरा गये। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कूल वैन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि, हादसे में मासूम बच्चे बाल-बाल बच गए।

क्या है पूरा मामला: रांची के धुर्वा थाना क्षेत्र के शालीमार बाजार के पास एक आईपीएस अधिकारी की स्कॉर्पियो गाड़ी और एक स्कूल वैन आपस में टकरा गई। गाड़ियों की टक्कर की वजह से वैन में बैठे कुछ बच्चों को चोटें आई हैं। वैन का ड्राइवर भी घायल हो गया। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने ड्राइवर और बच्चों को वैन से सुरक्षित बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया।

ड्राइवर की गलती: हटिया डीएसपी पीके मिश्रा ने बताया कि पूरे मामले में स्कूल वैन ड्राइवर की गलती पाई गई है। जांच में पता चला है कि स्कूल वैन ने एक कार को टक्कर मारी थी। जिसके बाद वैन ड्राइवर की कार ड्राइवर से कहासुनी हो गई, मामला हाथ से निकलता देख वैन ड्राइवर तेज रफ्तार से मौके से भाग गया, उसी समय दूसरी तरफ से आईपीएस की गाड़ी आ रही थी। अचानक सामने से पुलिस की गाड़ी आ जाने के कारण वैन चालक ने नियंत्रण खो दिया और सीधे जाकर आईपीएस की गाड़ी से टकरा गया। हटिया डीएसपी ने बताया कि सभी बच्चे, शिक्षक और चालक सुरक्षित हैं।

वैन पर कोई नियंत्रण नहीं: राजधानी रांची के लगभग सभी स्कूलों में बच्चों को छोटी वैन के जरिए स्कूल लाया-ले जाया जाता है। लेकिन वैन चालक यातायात नियमों का उल्लंघन करते नजर आते हैं। नतीजतन आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं।

उत्तरकाशी में सुबह से तीन बार आया भूकंप दहशत में लोग, वरुणावत पर्वत हुआ कमजोर

उत्तरकाशी : उत्तरकाशी और आसपास के कई इलाकों में शुक्रवार को दो बार भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। दहशत के चलते लोग घरों से बाहर निकल आए। लोगों में भय का माहौल है। आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से सभी तहसीलों से जानकारी जुटाई जा रही है। बताया जा रहा है कि पहले सुबह करीब 7 बजकर 42 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस हुए। भूकंप के कारण वरुणावत पर्वत के भूस्खलन जोन से मलबा और पत्थर गिरे। इसके बाद दोबारा 8 बजकर 19 मिनट पर फिर झटके महसूस हुए, रिक्टर स्केल पर तीव्रता 3.5 रही। इसके बाद जनपद मुख्यालय में 10:59 बजे तीसरी बार भूकंप के झटके महसूस किए गए।

भूकंप का केंद्र जमीन से पांच किमी नीचे उत्तरकाशी में था। जिलाधिकारी डॉ। मेहरबान सिंह बिष्ट ने अधिकारियों को जिले की सभी तहसील क्षेत्रों में भूकंप के असर के बारे में सूचना जुटाने के निर्देश दिए हैं। फिलहाल जिले में कहीं से भी जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। वहीं कहा जा रहा है कि वरुणावत पर्वत इतना कमजोर हो रखा गया है कि 3 तीव्रता के भूकंप पर ही पत्थर गिर रहे हैं।

महाराष्ट्र : आयुध फैक्ट्री में भीषण विस्फोट, आठ मजदूरों की मौत

नागपुर: जिले के पास स्थित आयुध निर्माणी में आज सुबह हुए धमाके में अबतक आठ मजदूरों की मौत हो गयी है। महाराष्ट्र के भंडारा जिले की इस फैक्ट्री में विस्फोट इतना भीषण था कि इसकी गूंज 5 किलोमीटर दूर तक सुनी गई। बचाव और चिकित्सा दल घटना स्थल पर पहुंचकर जीवित बचे लोगों की तलाश कर रहे हैं।

कुएं में गिरने से हाथी की मौत रेस्क्यू में जुटा वन विभाग

बोकारो: जिले के गोमिया प्रखंड में एक हाथी की कुएं में गिरकर मौत हो गई। हाथी रात में फसल खाने के लिए गांव पहुंचा था। इसी दौरान अंधेरा होने के कारण वह कुएं में गिर गया। घटना की सूचना वन विभाग को दी गई। जिसके बाद वन विभाग हाथी को कुएं से निकालने का प्रयास कर रहा है। घटना गोमिया प्रखंड के महुआटांड़ थाना क्षेत्र के गोपो गांव की है।

धवैया पंचायत के मुखिया तेजलाल महतो ने बताया कि हाथी रात में खेत और बगीचों में लगी फसलों को खाने के लिए गांव में आया था, इसी दौरान अंधेरा होने के कारण वह कुएं में गिर गया। सुबह जब ग्रामीणों ने इसे देखा तो वन विभाग के कर्मचारियों को इसकी सूचना दी गई। स्थानीय ग्रामीण और वनकर्मी हाथी को बाहर निकालने का प्रयास कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि जिस ग्रामीण के खेत में यह कुआं था, उसके खेत में लगी आलू की फसल को काफी नुकसान पहुंचा है, वहीं हाथी को बाहर निकालने का लगातार प्रयास किया जा रहा है। हालांकि हाथी को बाहर निकालने के लिए क्रेन बुलाने की भी बात कही जा रही है।

वहीं वनकर्मी सुंदर मुर्मू ने बताया कि हाथी रात के अंधेरे में खाई नहीं देख पाने के कारण गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना रात करीब दो बजे की है, जब उत्पात मचा रहा अकेला हाथी किसानों की चारदीवारी तोड़कर खेत में घुस गया। सूचना मिलने पर जब ग्रामीणों ने उसे भगाने का प्रयास किया तो वह किसान रतिलाल महतो के कुएं में जा गिरा। इस दौरान घर में सो रहे एक वृद्ध हाथी के चंगुल में फंसने से बाल-बाल बच गए। कुएं में गिरने से पहले हाथी ने खेत में लगे आलू समेत कई फसलों को नुकसान पहुंचाया था।

वक्फ संशोधन बिल पर जेपीसी बैठक में जोरदार हंगामा

नई दिल्ली: वक्फ संशोधन विधेयक पर संसदीय पैनल के सभी विपक्षी सदस्यों को शुक्रवार को एक दिन के लिए निलंबित कर दिया गया। इस दौरान लगातार विरोध प्रदर्शन और अध्यक्ष जगदंबिका पाल पर कार्यवाही में बाधा डालने के आरोप लगे। निलंबित सदस्यों में कल्याण बनर्जी, मोहम्मद जावेद, ए राजा, असदुद्दीन ओवैसी, नसीर हुसैन, मोहिबुल्लाह, मोहम्मद अब्दुल्ला, अरविंद सावंत, नदीम-उल हक, इमरान मसूद शामिल हैं। निशिकांत दुबे ने पेश किया निलंबन का प्रस्तावः भाजपा सदस्य निशिकांत दुबे ने विपक्षी सदस्यों को निलंबित करने का प्रस्ताव पेश किया, जिसे समिति ने स्वीकार कर लिया। भाजपा सदस्य अपराजिता सारंगी ने दावा किया कि विपक्षी सदस्यों का आचरण घृणित था, क्योंकि वे बैठक के दौरान लगातार हंगामा कर रहे थे और पाल के खिलाफ असंसदीय भाषा का इस्तेमाल कर रहे थे। हंगामे के साथ शुरू हुई बैठकः संसदीय समिति की बैठक हंगामे के साथ शुरू हुई। विपक्षी सदस्यों ने दावा किया कि उन्हें मसौदा कानून में प्रस्तावित बदलावों का अध्ययन करने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया जा रहा है।

टीडीएस के खिलाफ दायर याचिका खारिज सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालय जाने को कहा

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने टीडीएस (टैक्स डिडक्टेड एट सोर्स) के खिलाफ दायर याचिका को खारिज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए याचिकाकर्ता को उच्च न्यायालय जाने को कहा है। वरिष्ठ वकील और भाजपा नेता अश्विनी कुमार उपाध्याय ने टीडीएस के खिलाफ जनहित याचिका दायर की थी। अपनी याचिका में उपाध्याय ने टीडीएस को मनमाना, तर्कहीन और असंवैधानिक बताया था।

सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालय जाने की दी सलाहः मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने याचिका खारिज करते हुए याचिकाकर्ता को उच्च न्यायालय जाने को कहा। सुनवाई के दौरान सीजेआई ने कहा कि 'हम इस याचिका पर सुनवाई नहीं कर सकते। इसे बहुत खराब तरीके से तैयार किया गया है। आप उच्च न्यायालय जा सकते हैं। कुछ फैसलों में इसे बरकरार रखा गया है। हम इस पर विचार नहीं करेंगे।'

क्या होता है टीडीएस: टीडीएस या सोर्स पर टैक्स कटौती की शुरूआत कर चोरी रोकने के लिए की गई थी। यह एक ऐसा तरीका है जिससे सरकार सीधे आय के स्त्रोत से कर लेती है। यह कर का ऐसा प्रकार है, जिसमें किसी व्यक्ति या संगठन को मिलने वाली सैलरी, ब्याज, किराया या कंसल्टेंसी फीस देने से पहले ही तय राशि टैक्स के रूप में काट ली जाती है और इसे तुरंत सरकार को भेज दिया जाता है। टीडीएस सरकार के लिए टैक्स इकट्ठा करने की प्रक्रिया को सरल बनाता है और टैक्स चोरी को रोकने में भी मदद करता है। टीडीएस राशि की वापसी बाद में तब की जाती है जब करदाता अपना आयकर रिटर्न दाखिल करते हैं।

याचिका में टीडीएस की इन आधार पर की गई थी आलोचना: याचिका में उपाध्याय ने तर्क दिया कि टीडीएस एक जटिल प्रक्रिया है, जिसे समझने के लिए कानूनी और वित्तीय विशेषज्ञता की जरूरत है। कई करदाताओं को इसकी समझ नहीं है। याचिका में आगे कहा गया है कि अशिक्षित या आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्तियों को इस तकनीकी ढांचे को समझने में मुश्किल होती है और इसके चलते उनका उत्पीड़न होता है। यह समानता के संवैधानिक अधिकार का उल्लंघन है। उपाध्याय ने ये भी कहा कि कई करदाता, विशेष रूप से ग्रामीण या आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि के लोग, अक्सर रिफंड से वंचित रह जाते हैं, जिससे सरकार को अनुचित लाभ होता है।

न्यूज ब्रीफ

बन्ता हजाम पंचायत भवन में जनता दरबार

मुरीः बन्ता हजाम पंचायत में जनता दरबार लगाया गया जिसमें विधायक अमित महतो, प्रखंड अंचल पदाधिकारी अरुणिमा एक्का, कृषि पदाधिकारी कमल कान्त महतो, मुखिया गंगा नरायाण सिंह मुंडा, रोजगार सेवक भगवत पातर मुंडा,ग्राम सेवक एवं अन्य स्टाफ मौजूद थे। जनता दरबार में सबसे ज्यादा महिलाएं अबुआ आवास की समस्या को लेकर आवेदन दिया । वहीं महिला में करुणा देवी ने गैर मजरूआ जमीन पर अतिक्रमण के मामले को लेकर सीओ और विधायक को अलग अलग आवेदन दी।डीप बोरिंग को लेकर किसानों ने आवेदन किया। फिर जमीन मोटेशन का आवेदन पत्र दिया।अबुआ आवास में पैसा खाने को लेकर लोगों ने मामला उठाया। इसी तरह बड़ा चागडु में भी जनता दरबार लगाया गया।

पंचायत लाइब्रेरी का उद्घाटन

मुरीः सिल्ली पूर्वी जिला परिषद लक्ष्मी देवी ने बन्ता हजाम लाइब्रेरी का उद्घाटन किया । जिसमें छात्र छात्राओं के लिए अच्छी और पढ़ाई की किताबें अलमीरा में भरी थी। कम्प्यूटर और टीबी भी रूम में उपलब्ध कराया गया। उद्घाटन के मौके पर विधायक अमित महतो, कृषि पदाधिकारी कमल कान्त महतो, मुखिया गंगा नरायाण सिंह मुंडा व अन्य उपस्थित थे।

मां-पिता की प्रथम पुत्री को बिधायक ने दिया गुलाबी कीट

मुरीः बन्ता हजाम पंचायत में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग के सौजन्य से विधायक अमित महतो के हाथों से बेटी को गुलाबी कीट दिया गया जिसमें बच्चे के गरम कपड़े,टापी,मोजा, मच्छरदानी आदि है। यह प्रथम बेटी बन्ता हजाम के माता नमिता देवी और पिता प्रताप महतो की बेबी सुनीता है। इनकी देखभाल प्रसव से पहले सहिया कर्मी देवी की। मौके पर सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी सोनम कुमारी,एन एम धर्मी देवी, सहिया करुणा देवी,मालती देवी एवं अन्य लोग भी थे।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में मनी नेताजी जयंती

मुरीः कस्तूरबा गांधी विद्यालय में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनायी गयी। इस अवसर पर उनके पराक्रम और जीवनी पर प्रकाश डाला गया तथा स्वतंत्रता संग्राम मे उनकी भूमिका पर विचार रखे गए। मौके पर कस्तूरबा के छात्राओं सहित वार्डन व शिक्षिका चंद्रिका कुमारी, अनामिका लकड़ा, भवानी बाला, जयंती महतो, जानकी कुमारी, लता कुमारी समेत कई महिला स्टाफ उपस्थित हुई।

प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेला का आयोजन

मुरीः सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिल्ली में प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया गया। जिसमें डॉ प्रियंका सिन्हा और डॉ विवेक कुमार ने शिविर में आए लोगों को स्वास्थ परामर्श दिए और जांच कर दवा का उपयोग करने को कहा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पहुंचे मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक अमित कुमार महतो ने चिकित्सकों से बेहतर इलाज के लिए हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। ताकि पीड़ित लोगों को असुविधा का सामना करना ना पड़े। इस शिविर में आयुष्मान कार्यक्रम, कुष्ठ जांच, मलेरिया, फाइलेरिया, दंत चिकित्सा, पेयजल, युवा मैत्री कार्यक्रम, नेत्र जांच, परिवार नियोजन, बीपी, शुगर, खून जांच, मातृत्व स्वास्थ्य, बाल चिकित्सा, टीवी, पोषण परामर्श, नशामुक्ति जागरूकता, टीकाकरण का लोगों ने लाभ उठाया। मौके पर स्वास्थ्य केंद्र को फूल मालाओं के तोरण द्वार से सजाया गया था तथा सभी स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।

यू-ट्यूबर की कार ने टेम्पो को मारी टक्कर, ड्राइवर गंभीर

रांचीः तिसरा थाना क्षेत्र के चांद कुइयां मोड़ के समीप झरिया-बलियापुर मुख्य मार्ग पर य-ूट्यूबर मनोज डे की फॉर्च्यूनर कार और माल ढोने वाले टेंपो में भीषण टक्कर हो गई। टक्कर में टेंपो चालक बेलगड़िया निवासी सिद्धेश्वर मंडल घायल हो गया। घटना के बाद लोगों को आता देख कार चालक मौके पर ही कार छोड़कर भाग गया। घटना की सूचना मिलते ही तिसरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों वाहनों को जब्त कर थाने ले गई। वहीं पुलिस ने कार के पीछे बैठे एक युवक को भी हिरासत में ले लिया। जिसे पुलिस ने पूछताछ के बाद छोड़ दिया। इलाके में चर्चा का बाजार गर्म पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने के बाद एक व्यक्ति को छोड़े जाने को लेकर इलाके में चर्चा का बाजार गर्म है। लोगों ने बताया कि फॉर्च्यूनर कार यूट्यूबर मनोज डे की है। फॉर्च्यूनर कार कुसमाटांड़ से झरिया की ओर तेज गति से जा रही थी। इसी दौरान कार ने टेंपो में पीछे से टक्कर मार दी। जिससे चालक घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने यह भी बताया कि कार चालक शराब के नशे में तेज गति से वाहन चला रहा था। तिसरा पुलिस ने घायल टेम्पो चालक को बलियापुर स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए धनबाद रेफर कर दिया। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। तिसरा थाना प्रभारी सुमन कुमार ने बताया कि दोनों वाहनों को जब्त कर थाना लाया गया है। मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बेंगाबाद में आयोजित स्वागत एवं अभिनंदन सभा में कल्पना सोरेन ने कहा-

मंईयां सम्मान योजना की राशि सोच समझकर करें खर्च

रांचीः हेमंत सरकार द्वारा शुरू की गई मंईयां सम्मान योजना को लेकर गांडेय विधायक कल्पना सोरेन ने महिलाओं को सलाह दी। कल्पना ने कहा कि मंईयां सम्मान योजना की राशि को महिलाएं सोच-समझ कर खर्च करें।

कल्पना ने बेंगाबाद में आयोजित स्वागत एवं अभिनंदन सभा में कहा कि इस राशि की कीमत को महिलाएं समझें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का सपना था कि महिलाओं को सम्मान मिले और वे आत्मनिर्भर बनें। यह योजना उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने झारखंड की गरिमा को बनाए रखने का संकल्प व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य के बच्चे अपने हुनर से झारखंड का नाम देश-विदेश में रोशन करेंगे। साथ ही, उन्होंने बच्चों से आग्रह किया कि वे यह साबित करें कि वे भारतीय होने के साथ-साथ गर्वित झारखंडी भी हैं। वहीं, कार्यक्रम में झामुमो के गिरिडीह जिला अध्यक्ष संजय सिंह, सचिव महालाल सोरेन, प्रखंड अध्यक्ष नुनुराम किस्कू, विजय सिंह, मीना देवी, सुनील यादव, किशुन सोरेन, सुधीर रजवार और महेंद्र चौधरी समेत कई प्रमुख नेता उपस्थित रहे।

परंपरा तोड़ परिवर्तन लाने वाले महामानव थे सुभाषचंद्र बोसः भाजपा

रांचीः झारखंड में भाजपा ने बीते गुरुवार को सुभाष चंद्र बोस जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मनाया। उनके चित्र एवं प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई, नमन किया गया।

राजधानी रांची स्थित सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर भाजपा प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष डॉ रवींद्र राय ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। प्रदेश कार्यालय में भी उनके चित्र पर श्रद्धांजलि दी गई, नमन किया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष वरुण साहू सहित कमाल खान, लक्ष्मीचंद्र दीक्षित, अरुण झा, इंद्रजीत यादव, अरुण चंद्र गुप्ता आदि उपस्थित थे। मीडिया को संबोधित करते हुए डॉ राय ने कहा कि भारतीय राष्ट्र जीवन में सुभाष चंद्र बोस एक महानायक थे जिन्होंने भारत की राजनीति और स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी। उन्होंने कहा 1893 में स्वामी विवेकानंद ने विश्व पटल पर भारत की सांस्कृतिक ध्वजा को दिग्विजयी बनाया। वही गुलाम भारत में आजादी के ध्वज को सुभाष बाबू ने ऊंचा किया।

डॉ राय ने कहा कि सुभाष बाबू परंपरा तोड़कर परिवर्तन के महानायक थे। झारखंड की धरती से सुभाष बाबू का गहरा संबंध है। इस धरती से उन्होंने राजनीतिक इतिहास रचा है। राय ने कहा कि कांग्रेस की चुनाव प्रक्रिया के खिलाफ परंपरा को तोड़कर उन्होंने रामगढ़ अधिवेशन में राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव लड़े और जीत भी दर्ज की जिसे दकियानूसी कांग्रेस पचा नहीं पाई। यह इतिहास में बड़ी राजनीतिक घटना है। डॉ राय ने कहा कि आजाद हिंद फौज की स्थापना कर उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ आजादी की लड़ाई को नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि आज के पुण्य अवसर पर उनके चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए झारखंड वासी विकसित झारखंड बनाने का संकल्प लेते हैं।

संपत्ति विवाद में भाभी ने कराई थी देवर की हत्या, 5 आरोपी गिरफ्तार

बोकारोः जिले के कसमार प्रखंड के मधुकरपुर निवासी पिंटू नायक हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पिंटू नायक हजारीबाग जिला कोषागार में क्लर्क था। पुलिस ने बताया कि पिंटू की हत्या की साजिश उसकी भाभी सुनीता देवी ने रची थी। बोकारो एसपी मनोज स्वर्गियारी ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरे मामले की जानकारी दी। एसपी ने बताया कि संपत्ति विवाद में हत्या हुई है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। सभी ने अपना अपराध भी स्वीकार कर लिया है। इसके बाद उन्हें जेल भेज दिया गया। पिंटू कुमार की हत्या 12 जनवरी की रात करीब 11 बजे उस समय हुई थी, जब वह अपने कमरे में सो रहा था। अचानक दो गोलियों की आवाज सुनकर पिता सकुल नायक जब बेटे के कमरे में पहुंचे, तो पिंटू खून से लथपथ पड़ा था। अपराधी छत के रास्ते भाग चुके थे। घायल पिंटू को तुरंत जैनामोड़ अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। भाभी ने 3 लाख में दी थी हत्या की सुपारी पुलिस जांच में पता चला कि पिंटू की भाभी सुनीता देवी ने देवर की हत्या के लिए पेटरवार के 2 शूटरों छोटेलाल नायक व टीमा तुरी को तीन लाख रुपये की सुपारी दी थी। डेढ़ लाख रुपए का भुगतान कर दिया गया था। आरोपियों ने हत्या के लिए पहले रेकी की और वारदात की रात सुनीता देवी ने घर का दरवाजा खोलकर उनकी मदद की। एसपी के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने तकनीकी शाखा की मदद से पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। हत्या में इस्तेमाल हथियार, मोटरसाइकिल और मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं।

वंदेभारत ट्रेन की पहली महिला लोको पायलट रितिका तिर्की 26 जनवरी को एट होम रिसेप्शन में होगी शामिल, राष्ट्रपति ने भेजा निमंत्रण

जमशेदपुरः टाटानगर स्टेशन से पटना तक चलने वाली बंदे भारत एक्सप्रेस की वरिष्ठ सहायक लोको पायलट रितिका तिर्की को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 26 जनवरी को राष्ट्रपति भवन में आयोजित होने वाले एट होम रिसेप्शन के लिए निमंत्रण पत्र भेजा है। गणतंत्र दिवस परेड के बाद यह कार्यक्रम राष्ट्रपति भवन में होगा। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित पूरा मंत्रिमंडल और राजनीतिक दलों के प्रमुख नेता शामिल होंगे। झारखंड की पहली आदिवासी लोको पायलट अपना आदर्श राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को मानती है और पहली बार राष्ट्रपति महोदय से मिलेगी जो कभी खुश है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में महिला सशक्तिकरण का जो महाअभियान चल रहा है, भारतीय रेल भी उसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। भारतीय रेल में महिलाओं को बड़ी से बड़ी भूमिका निभाने का अवसर मिल रहा है, जिसे वो सफलतापूर्वक निभा भी रही हैं। टाटानगर-पटना वंदे भारत ट्रेन को चलाने वाली सहायक महिला लोको पायलट रितिका के अनुसार स्वदेश में निर्मित इस अत्याधुनिक ट्रेन को चलाने का अवसर मिलना बहुत ही सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि वे इस वंदे भारत ट्रेन को चलाकर स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रही हैं।

वही टाटानगर एरिया मैनेजर अभिषेक सिंघल ने बताया कि हम सभी लोगों के लिए गर्व की बात है कि हमारे यहां से लोको पायलट रितिका तिर्की को राष्ट्रपति भवन से 26 जनवरी में होने वाले कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया गया है। उनके सीनियर अधिकारियों ने भी इस बात की खुशी जाहिर की।

बालू का अवैध उठाव व ढुलाई बेखौफ जारी

सिल्लीः मुख्यमंत्री का नदी से बालू उठाव पर रोक का सख्त निर्देश के बाबजूद सिल्ली थाना क्षेत्र के बसंतपुर रंगामाटी एंव पांचू बालू घाट से बेखौफ बालू का उठाव जारी है। रोजाना 50 से 60 ट्रेक्टरों में उक्त चोरी का बालू लादकर बनसिया होते हुए जरवाडीह के समीप रांची पुरुलिया मुख्य सड़क मार्ग पर निकलता है जहां बालू कारोबारियों का जामवाडा लगा रहता और खनन विभाग के अधिकारियों पर नजर बनाएं रखते है। उक्त बालू को जोन्हा, अनगड़ा सिकीदीरी क्षेत्र में मनमर्जी दामों में बेचा करते है। कई ट्रैक्टर मालिकों ने नाम प्रकाशित नहीं करने की शर्त पर दबे जुबान से बताया ऐसे नही चल रहे है हर गाड़ी वाले प्रति गाड़ी 3600 रूपए एंट्री जमा किए है। इधर खनन विभाग के माइनिंग इंस्पेक्टर से पूछे जाने पर बताया अवैध बालू उठाव और ढूलाई करने की जानकारी नही है 30-35 वाहनों को जब्त कर विभागीय कार्रवाई किया गया है और आगे भी कार्रवाई होगा। दूसरी ओर राढू नदी के झाबरी बालू घाट से भी बालू का अवैध उठाव व ढूलाई जारी है रोजाना 40-45 ट्रबो से गोला रामगढ़ भेजा जा रहा है।

सीएम हेमंत ने निर्माणाधीन विधायक आवासीय परिसर का किया निरीक्षण

जून में हैंडओवर करने का दिया निर्देश

संवाददाता

रांचीः मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आज निर्माणाधीन विधायक आवासीय परिसर, जगन्नाथपुर, रांची का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने यहां विधायक गणों के लिए बन रहे आवास, हेल्थ सेंटर, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, चिल्ड्रन पार्क, प्ले ग्राउंड, बिजली, पानी और सड़क, व्हीकल पार्किंग सिवरेज- ड्रेनेज सिस्टम समेत अन्य निर्माण कार्यों का अवलोकन किया और कई निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने निर्माण कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया ताकि जल्द से जल्द इसके हैंडओवर की प्रक्रिया पूरी कर विधायकों को ये आवास अलॉट किया जा सके। इस दौरान निर्माण कार्य कर रहे कंस्ट्रक्शन कंपनी ने इस वर्ष जून माह तक सभी निर्माण कार्य पूरा हो जाने की बात कही। मुख्यमंत्री ने विधायक आवासीय परिसर में बड़े पैमाने पर प्लांटेशन करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अभी विधायकों के लिए आवासीय व्यवस्था व्यवस्थित नहीं है। राजधानी रांची के अलग-अलग क्षेत्र में उन्हें रहने के लिए आवास उपलब्ध कराया गया है, लेकिन विधायक आवासीय परिसर के निर्माण होने से सभी विधायकों को एक ही कैंपस में रहने के लिए एक बेहतर, व्यवस्थित और सुविधाओं से युक्त आवास मिलेगा। वहीं, मुख्यमंत्री के विधायक आवासीय परिसर के निरीक्षण के दौरान अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार और भवन निर्माण विभाग के सचिव अरवा राजकमल तथा अन्य अधिकारी मौजूद थे।

गणतंत्र दिवस समारोह को लेकर फुल ड्रेस रिहर्सल संपन्न, प्लाटूंस ने परेड से मोहा मन

संवाददाता

रांची: राजधानी के ऐतिहासिक मोरहाबादी मैदान में शुक्रवार को गणतंत्र दिवस को लेकर फुल ड्रेस रिहर्सल किया गया। गणतंत्र दिवस पर होने वाले मुख्य समारोह से पहले आखिरी दिन यह रिहर्सल होता है, जिसमें सभी प्लाटून फुल ड्रेस रिहर्सल करते हैं।

डीसी और एसएसपी ने लिया हिस्सा: गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह रांची के ऐतिहासिक मोरहाबादी मैदान में होना है। ऐसे में शुक्रवार को रांची डीसी और एसएसपी की निगरानी में सभी प्लाटून ने फुल ड्रेस रिहर्सल में हिस्सा लिया। 26 जनवरी को ऐतिहासिक मोरहाबादी मैदान में होने वाले मुख्य समारोह में किस तरह से हर कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, इन सबका अभ्यास किया गया। मसलन, मंच पर मुख्य अतिथि और अन्य वीआईपी अतिथियों के बैठने की व्यवस्था क्या होगी, मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किए जाने वाले पुलिस अधिकारियों को मेडल किस तरह से दिए जाएंगे, इन सबका अभ्यास किया गया।

पश्चिम बंगाल पुलिस भी ले रही है परेड में हिस्सा: झारखंड पुलिस की विभिन्न विंग के अलावा इस बार पश्चिम बंगाल पुलिस भी 26 जनवरी को मोरहाबादी मैदान में होने वाले मुख्य समारोह में हिस्सा ले रही है। बंगाल पुलिस के साथ कुल 14 बटालियन परेड में हिस्सा लेंगी। इनमें भारतीय सेना, सीआईएसएफ, आईटीबीपी, झारखंड जगुआर, जैप 01, जैप 10, एसएसबी, एनएनसी स्काउट, रांची पुलिस (महिला व पुरुष बटालियन) और होमगार्ड शामिल हैं।

राज्यपाल फहराएंगे तिरंगा: 26 जनवरी को सुबह 9 बजे राज्यपाल मोरहाबादी में झंडा फहराएंगे। मोरहाबादी मैदान में 26 जनवरी समारोह के आयोजन में कोई चूक न हो, इसके लिए सादे लिबास में जवानों के अलावा 200 पुलिस जवानों के साथ 50 से अधिक मजिस्ट्रेट भी मोरहाबादी मैदान में तैनात रहेंगे। रांची के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि फुल ड्रेस रिहर्सल कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो गया है। ऐतिहासिक मोरहाबादी मैदान में आयोजित होने वाले मुख्य समारोह में पदक प्राप्त पुलिस पदाधिकारियों व कर्मियों को पदक प्रदान किया जाएगा।

दिल्ली के कर्तव्य पथ पर दिखेगी सरायकेला छऊ की झांकी

सरायकेला: गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) पर दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम में सरायकेला-खरसावां जिले की विश्व प्रसिद्ध छऊ नृत्य की झांकी दिखेगी। जिले के 21 कलाकार झांकी में छऊ नृत्य के जरिये झारखंड की जीवनशैली की विभिन्न पहलुओं को प्रस्तुत करेंगे। झांकी के माध्यम से पद्म विभूषण सह उद्योगपति रतन टाटा के देश के विकास में योगदान को दशार्या गया है।

कर्तव्य पथ पर कलाकारों ने रिहर्सल किया : पटनायक

छऊ नृत्य दल के लीडर सह राजकीय छऊ नृत्य कला केंद्र के पूर्व निदेशक सह संगीत नाटक अकादमी अवॉर्डी छऊ गुरु तपन पटनायक ने बताया कि परेड के दौरान टीम झांकी पेश करेगी। झांकी में सरायकेला-खरसावां की उत्कृष्ट नृत्य शैली के साथ कला, संस्कृति व परंपरा से लेकर क्षेत्र के जल, जंगल, खनिज जैसे प्राकृतिक संसाधनों से अवगत कराया जायेगा। कहा कि 21 कलाकारों का दल 17 जनवरी को ही दिल्ली पहुंच गया है। झांकी निकालने को लेकर गुरुवार को दिल्ली के कर्तव्य पथ पर कलाकारों ने रिहर्सल किया।

टीम में ये हैं शामिल: गुरु तपन पटनायक, दिलदार अंसारी, कमल महतो, बसंत कुमार, सुदीप कुमार, सूरज हेंब्रम, भोलानाथ नंदा, राकेश गागराई, अनूप रविदास, अभिषेक सिंह मुंडा, गोमिया गागराई, अभिषेक सांडिल, सुरेश नाग, एंजेली केशरी, कल्पना रविदास, चांदनी हेंब्रम, भारती सांडिल, सुचित्रा सामंत, तनीषा सामंत, लिपिक बारा मुंडा, हीरामनी सोय व अन्य।

कृष्णानंद झा के परिजनों से मिले सुबोधकांत सहाय किया शोक व्यक्त

रांची/देवघर: कांग्रेस के कद्दावर नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने बिहार सरकार में मंत्री रहे स्व.कृष्णानंद झा के देवघर स्थित आवास पर उनके परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने कृष्णानंद झा के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किया। विदित हो कि बिहार सरकार के पूर्व मंत्री कृष्णानंद झा का निधन एक महीने पूर्व हो गया था। श्री सहाय ने उनके पुत्र अशोक आनंद झा सहित अन्य परिजनों को ढांढस बंधाया। उन्होंने दिवंगत की आत्मा की शांति व परिजनों को संबल प्रदान करने की ईश्वर से कामना की।

रिम्स : पाइप में लीकेज, सैकड़ो लीटर पानी हो रहा बर्बाद , परेशानी

रांची: राज्य के सबसे बड़े अस्पताल रिम्स में निर्माण कार्य हो रहा। इस दौरान पाइप लीकेज के कारण सैकड़ो लीटर पानी बर्बाद हो रहा है। लेकिन इसकी परवाह जिम्मेदार को नहीं है। एक और जहां पीने का पानी सड़क पर बह रहा है वही आम लोगों को भी काफी परेशानी हो रही है। रिम्स परिसर के पास स्थित तालाब के पास बीच सड़क में ही तालाब सा नजर दिखने लगा। दरअसल पेयजल पाइप के फटने से उससे बह रहा पानी नालियों में जाने से नाली ओवरफ्लो हो गया। जिसके बाद नाली के गंदे पानी से सड़क पर जल जमाव हो गया।

स्कूल जाने वाले बच्चों को परेशानीः इस रोड से रोजाना सैकड़ो बच्चे स्कूल आना जाना करते हैं। वही रिम्स में भर्ती मरीज के परिजन भी दवाई लेने के लिए इस सड़क से आना जाना करते हैं। सुबह-सुबह सड़क पर जल जमा होने से लोगों को दीवार पकड़ पकड़ कर चलते देखा गया। वहीं कई लोगों को मजबूरी में गंदे पाली में उतरकर सड़क पार करना पड़ा।

सरकारी स्कूलों के 29 हजार शिक्षकों को नया टैब देगी सरकार

टैब में इस बार न तो मुख्यमंत्री का कोई फोटो - वीडियो और न ही शिक्षा मंत्री का कोई फोटो - वीडियो होगा

संवाददाता

रांची: हेमंत सरकार ने झारखंड के सरकारी स्कूलों में कार्यरत 29 हजार शिक्षकों को नया टैब देने का फैसला किया है। बताया जा रहा है कि इस माह के अंत तक या फरवरी के पहले सप्ताह में 29 हजार शिक्षकों को टैब मिल सकता है।

जानकारी के मुताबिक शिक्षकों को ये टैब समग्र शिक्षा अभियान के तहत दिए जाने हैं। शिक्षकों को दिए जाने वाले टैब में इस बार न तो मुख्यमंत्री का कोई वीडियो होगा और न ही शिक्षा मंत्री का वीडियो होगा। न ही उनका कोई फोटो टैब में होगा। टैब के ऊपर सिर्फ झारखंड सरकार का लोगो होगा। टैब ऐसा होगा जिससे सरकार के बदलने पर उसके उपयोग करने में कोई समस्या या विवाद न हो। वहीं, झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद ने टैब की आपूर्ति के लिए टेंडर प्रक्रिया इस बार पूरी कर ली है। बताया जाता है कि टैब की आपूर्ति की जिम्मेदारी सिबिन लर्निंग को दी गई है। टैब की आपूर्ति जिला स्तर पर की जाएगी। शिक्षकों को टैब देने का मुख्य उद्देश्य यह बताया जा रहा है कि इसके माध्यम से शिक्षक उपस्थिति बना सकें। साथ ही स्कूलों से संबंधित रिपोर्ट इसके माध्यम से विभाग और झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद को भेजी जा सके। इसके लिए इसमें ई - विद्यावाहिनी तथा जे गुरुजी ऐप अपलोड किए गए हैं।

लाल रणविजय नाथ शाहदेव स्मृति मंच की बैठक

झारखंड रत्न की जयंती भव्य रूप से मनाने का निर्णय

रांची: मोरहाबादी स्थित बापू वाटिका में झारखंड आंदोलनकारी, प्रसिद्ध नागपुरी साहित्यकार तथा झारखंड रत्न से सम्मानित स्वर्गीय लाल रणविजय नाथ शाहदेव स्मृति मंच की एक महत्वपूर्ण बैठक में आगामी 5 फरवरी, 2025 को स्वर्गीय लाल रणविजय नाथ शाहदेव की जयंती धूम-धाम से मनाने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम की रूप-रेखा तय करते हुए इसे अधिकाधिक व्यापक बनाने, महिलाओं, आदिवासी-मूलवासी तथा सभी समाज के लोगों तक पहुँचाने का निश्चय किया गया। बताते चलें कि लाल रणविजय नाथ शाहदेव अपने दृढ़ निश्चय, ईमानदारी और सबसे बढ़कर खुद्दारी के लिए जाने जाते हैं। तब जबकि अधिकांश नेता और राजनीतिक लोगों ने किसी न किसी प्रकार धन या पद के लोभ में सिद्धान्तों से समझौता कर लिया, एक वे ही थे जिन्होंने आंदोलन को न सिर्फ जिन्दा रखा बल्कि राज्य बन जाने के बाद भी झारखाण्डियों के वास्तविक अधिकार का झण्डा उठाये रहे। लाल रणविजय नाथ शाहदेव का जीवन और चरित्र आज के दौर में कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठा है। ये बातें बैठक की अध्यक्षता करते हुए वरीय नागपुरी साहित्यकार राकेश रमण ने कही। इस आयोजन के सिलसिले में स्मृति मंच की ओर से शीघ्र ही एक प्रतिनिधि मण्डल माननीय मुख्यमंत्री से भी मिलेगे। बैठक का संचालन डॉ लाल अजय नाथ शाहदेव ने किया जबकि लाल राजेन्द्र नाथ शाहदेव,पंकज शाहदेव,विजय शाहदेव, वैभव शाहदेव, देवव्रत शाहदेव, आस्विनि शाहदेव, सत्यम शाहदेव, गीता सिन्हा,आकाश शाहदेव, लाल सत्येंद्र नाथ शाहदेव, लाल राजेंद्र नाथ शाहदेव,रोशन सिंह, दुर्गेश यादव, राकेश रमन, लाल विजेंद्र नाथ शाहदेव,गोपाल नाथ शाहदेव, लाल मेघराज नाथ शाहदेव ने अपने बहुमूल्य विचार रखे ।

लोस व विस में बेहतर कार्य करने वाले अफसर होंगे सम्मानित, राज्यपाल होंगे मुख्य अतिथि

संवाददाता

रांची: झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने कहा कि 25 जनवरी को आर्यभट्ट सभागार रांची में राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन होगा। कार्यक्रम में झारखंड के राज्यपाल को मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया गया है।

के रवि कुमार ने कहा कि लोकसभा आम निर्वाचन 2024 एवं विधानसभा आम निर्वाचन 2024 के दौरान बेहतर प्रदर्शन करने वाले पदाधिकारियों एवं कर्मियों को राज्यपाल द्वारा सम्मानित किया जाना है। कुमार आज आर्यभट्ट सभागार में आयोजित होने वाले कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण के क्रम में उक्त बातें कहीं। उन्होंने पदाधिकारियों को कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए व्यवस्था को दुरुस्त रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में अन्य जिलों के उपायुक्त, पदाधिकारी एवं बीएलओ भी सम्मिलित होंगे। निर्वाचन में बेहतर प्रदर्शन के लिए उन्हें सम्मानित किया जाना है। उनके आने- जाने एवं ठहरने की व्यवस्था को पूर्ण कर लिया जाए। कार्यक्रम में कॉलेज एवं एनएसएस के बच्चे, नए मतदाता, वृद्धि मतदाता एवं दिव्यांग मतदाता आदि भी सम्मिलित होंगे। उन सभी के लिए पेयजल, शौचालय एवं भोजन आदि की व्यवस्था का पदाधिकारी विशेष ध्यान रखें।

इस अवसर पर अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ नेहा अरोड़ा ने कहा कि कार्यक्रम में लोगों को निर्वाचन के दौरान हुए कार्यों एवं बीएलओ के प्रयासों से अवगत कराने के उद्देश्य से वीडियो, बैनर आदि का डिस्प्ले किया जाए। साथ ही सम्मानित होने वाले पदाधिकारियों, कर्मियों एवं बीएलओ के स्वागत की भी व्यवस्था की जाए।

फिर से करवट लेगा मौसम : कल से तापमान में 4 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट की संभावना

रांची: झारखंड में फिर से मौसम करवट लेगा। शनिवार से ठंड फिर से बढ़ने की संभावना है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने न्यूनतम तापमान में चार डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट का अनुमान लगाया है। राज्य के कुछ जिलों को छोड़कर, अधिकतर हिस्सों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से अधिक बना हुआ है। आज झारखंड के गुमला में राज्य का सबसे कम न्यूनतम तापमान 7.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राजधानी रांची में न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.2 डिग्री अधिक है। जमशेदपुर और बोकारो में न्यूनतम तापमान क्रमशः 12.8 डिग्री और 11.2 डिग्री सेल्सियस रहा। रांची मौसम विज्ञान केंद्र के प्रभारी अभिषेक आनंद ने बताया कि 24 जनवरी तक तापमान में कोई विशेष बदलाव की संभावना नहीं है। उन्होंने बताया कि इसके बाद न्यूनतम तापमान में तीन से चार डिग्री सेल्सियस की गिरावट हो सकती है।

आईएमडी के पूवार्नुमान के अनुसार, रांची का न्यूनतम तापमान 25 जनवरी को 11 डिग्री और 26 जनवरी को 10 डिग्री सेल्सियस तक आ सकता है। आनंद ने बताया कि आज और कल झारखंड के उत्तरी और मध्य हिस्सों में आंशिक बादल छाए रहने की संभावना है। सर्दी को देखते हुए रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने बीते बुधवार देर रात अल्बर्ट एक्का चौक, काली मंदिर चौक, डेली मार्केट पार्किंग और दुर्गा मंदिर रातू रोड जैसे विभिन्न स्थानों पर बेघर और सड़क किनारे रहने वाले लोगों को कंबल वितरित किए। एक अधिकारी ने बताया कि जिले के सभी प्रमुख चौराहों और सभी प्रखंडों में अलाव की व्यवस्था की गई है। प्रखंडों में पहले ही कंबल वितरित किए जा चुके हैं।

बीएयू के वैज्ञानिकों ने बनाया बैटरी से चलने वाली धान रोपने की मशीन

संवाददाता

रांची: खेती की बढ़ती लागत से किसान परेशान हैं। 'मानव श्रम' की बढ़ती लागत के कारण धान की खेती अब किसानों के लिए घाटे का सौदा बन गई है। ऐसे में बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के 'कृषि अभियंत्रण विभाग' के वैज्ञानिकों ने धान रोपाई मशीन बनाने में सफलता हासिल की है जो न सिर्फ बेहद सस्ती है बल्कि बेहद उपयोगी भी है।

धान की रोपाई करने वाली इस मशीन का नाम 'पैडी ट्रांसप्लांटर' रखा गया है। कृषि अभियंत्रण विभाग के सहायक प्राध्यापक और इस परियोजना के नेतृत्वकर्ता डॉ। उत्तम कुमार बताते हैं कि बीएयू द्वारा निर्मित 'पैडी ट्रांसप्लांटर' का पेटेंट भी हो चुका है। अब बीएयू के नियमानुसार इस मशीन के बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए किसी प्रोफेशनल निमार्ता से एमओयू होगा और उसके बाद यह किसानों तक पहुंचेगी।

उन्होंने बताया कि भारत सरकार से प्राप्त परियोजना के तहत चार साल में यह धान रोपाई मशीन तैयार की गई है। इसे बनाने में 15 हजार रुपये की लागत आई है। बीएयू की एक विशेष कमेटी है जो तय करती है कि किसानों को यह किस कीमत पर उपलब्ध होगा। डॉ उत्तम कुमार कहते हैं कि बीएयू द्वारा निर्मित पैडी ट्रांसप्लांटर इस मायने में खास है कि यह किसानों द्वारा खेतों में उगाए गए पौधों की रोपाई करने में सक्षम है। यह मशीन किसानों का पैसा भी बचाएगी, क्योंकि परंपरागत तरीके से कृषि मजदूरों द्वारा धान के पौधों की रोपाई में 7500/- प्रति हेक्टेयर का खर्च आता है, जबकि इस मशीन से रोपाई का खर्च घटकर 1500/- प्रति हेक्टेयर रह जाता है।

डॉ उत्तम कुमार ने बताया कि धान की रोपाई के लिए अब तक बनी सभी मैनुअल या ऑटोमेटिक मशीनों में प्लास्टिक मैट का इस्तेमाल होता है, इसमें मिट्टी की मोटाई मात्र 02 सेमी होती है, ऐसे में पौधा अच्छे से विकसित नहीं हो पाता है। बीएयू द्वारा आविष्कृत धान रोपाई मशीन की खासियत यह है कि यह किसानों द्वारा उगाए गए धान के पौधों की सीधे खेत में रोपाई करती है। इसमें 12-12 वोल्ट की दो ड्राई बैटरियां लगी हैं। एक मशीन रोपाई का काम चलाती है और दूसरी मशीन को खेत में आगे बढ़ाती है। उन्होंने बताया कि एक बैटरी चार घंटे तक चल सकती है और 37 किलो वजन वाली इस मशीन से हर दिन 50 डिसमिल खेत में आसानी से धान की रोपाई की जा सकती है।

बरही के पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला की फिर से कांग्रेस में हुई वापसी

हजारीबाग: बरही के पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला फिर से कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर और प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने पार्टी में शामिल कराते हुए माला पहनाकर उनका स्वागत किया। वहीं पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला ने कहा कि दिन का भूला अगर शाम को घर वापस आ जाए तो उसे भूला नहीं कहते। वहीं, राजनीति में सबकुछ संभव है। मालूम हो कि झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी के पैतृक गांव नन्हीडीह (जरमुंडी विधानसभा) में कांग्रेस कार्यकर्ता मिलन समारोह का आयोजन किया गया था। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर और प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश मौजूद थे। इसी समारोह में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत बरही के पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला को आमंत्रित किया गया था और वहीं पर उन्हें पुनः कांग्रेस में शामिल कराया गया।

सुविचार

हमारा अस्तित्व हमारे कर्म से है
किसी के नजरिये से नहीं है

रेवड़ियों पर केंद्रित होता दिल्ली विधानसभा चुनाव

दिल्ली में चुनावी घमासान के बीच रेवड़ी बांटने की प्रतिस्पर्धा-सी दिख रही है। ऐसा लगता है कि अब दिल्ली की सत्ता तक पहुँचने का मार्ग केवल मुफ्त की रेवड़ी ही है। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए राजनीतिक दल जनता के बीच अपने पिटारे से मुफ्त वाली विभिन्न योजनाएं गिना रहे हैं। इस होड़ में आम आदमी पार्टी पहले ही पिटारा खोल कर बैठी है। अब कांग्रेस और भाजपा भी उसी रास्ते की ओर प्रवृत्त है। एक तथ्य ध्यान देने योग्य है कि आम आदमी पार्टी के पास कुछ नया नहीं है क्योंकि वह पिछले चार विधानसभा चुनाव से इसी राह पर चल रही है। मुफ्त की योजनाओं के वादे करना आम आदमी पार्टी की फितरत बन गई है। इससे अलग अपेक्षा नहीं की जा सकती क्योंकि यह मार्ग उसके लिए लाभकारी साबित होता रहा है। इसलिए आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल को इस बार भी उन्हीं के नाम बाजी होने का पूरा विश्वास है।

वर्तमान में दिल्ली विधानसभा चुनाव के प्रचार में राजनीतिक दलों के नेताओं की ओर रेवड़ियों की झड़ी लगाई जा रही है। ऐसा लगता है कि दिल्ली की जनता रेवड़ी की आदी हो चुकी है। इसका राजनीतिक आशय यह भी निकाला जा सकता है कि अपना नायक चुनने के लिए किसकी रेवड़ी स्वार्थ पूर्ति करने वाली है, यह ही देखा जाएगा। इस कवायद को लालच देकर वोट प्राप्त करने का माध्यम भी माना जा सकता है क्योंकि मुफ्त में खजाना लुटाना किसी प्रकार से न्यायसंगत नहीं माना जा सकता क्योंकि इसका बोझ उस समाज पर आता है, जो योजना का लाभ लेने के पात्र नहीं होते। हालांकि सरकार की तरफ से आम जनता का ध्यान रखा ही जाना चाहिए लेकिन इसके लिए मुफ्त की योजना की जगह अन्य तरीके अपनाए जाएं तो बेहतर होगा। नहीं तो एक दिन यही योजनाएं विकास योजनाएं न होकर विनाशकारी मार्ग तैयार कर सकती हैं।

दिल्ली में एक दशक पहले भाजपा और कांग्रेस के बीच ही चुनावी लड़ाई होती रही थी, लेकिन कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार के विरोध में एक धूमकेतु की तरह अरविन्द केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी उभरी, जिसने लोक लुभावने वादे कर आम जनता का छप्पर फाड़ समर्थन प्राप्त करके दिल्ली के सिंहासन को कब्जे में ले लिया। मौजूदा चुनाव में एकबार फिर बहुकोणीय मुकाबला होने की तस्वीर बन रही है। आम आदमी पार्टी साथी दलों को हाथ छुड़ा कर अकेले ही चुनावी मैदान में उतरी है। लेकिन उसकी सबसे बड़ी परेशानी यह है कि उसके नेता अरविन्द केजरीवाल पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं। ऐसा कहना भी समुचित होगा कि केजरीवाल की कथनी और करनी में जमीन-आसमान का अंतर है। एक समय सुविधाओं को त्याग कर राजनीति करने की कसम खाने वाले केजरीवाल की जीवन शैली भौतिक सुख-सुविधाओं से भरी मालूम पड़ती है। शीशमहल के नाम से भाजपा द्वारा प्रचारित उनके आवास में लग्जरी सुविधाएं हैं। जो उनके कथन से कतई मेल नहीं रखती। ऐसे में यह कहना तर्कसंगत होगा कि इस बार केजरीवाल की राह उतनी आसान नहीं है, जो पहले थी। दूसरी बड़ी बात यह है कि इस बार के चुनाव में आम आदमी पार्टी के समक्ष गंभीर चुनौतियाँ भी हैं। केजरीवाल जमानत पर बाहर हैं, वे दोष मुक्त नहीं हुए। उनके मुख्यमंत्री कार्यालय जाने पर प्रतिबन्ध उसी समय लगा दिया गया, जब वे मुख्यमंत्री थे, ऐसी स्थिति में केजरीवाल फिर से दिल्ली के मुख्यमंत्री बनेंगे, इसकी गुंजाइश भी नहीं है।

आम आदमी पार्टी के समक्ष एक बड़ी चुनौती यह भी है कि इस बार के चुनाव में कांग्रेस और भाजपा के अलावा बहुजन समाज पार्टी और औवेसी की पार्टी भी मैदान में है। यह दोनों राजनीतिक दल जितने प्रभावी होंगे, उसका खामियाजा आम आदमी पार्टी को ही भुगतना होगा। एक गणित यह भी है कि पिछले चुनाव में अंदरूनी तौर पर कांग्रेस पार्टी का समर्थन आम आदमी पार्टी को मिला लेकिन इस बार पूरी गंभीरता के साथ कांग्रेस चुनावी मैदान में है। कांग्रेस और भाजपा दोनों ने केजरीवाल के समक्ष वजनदार प्रत्याशी उतार कर यह संदेश तो दिया कि इस बार केजरीवाल की पार्टी आसानी से विजय प्राप्त नहीं करेगी। क्योंकि बसपा और औवेसी के आने से केजरीवाल की पार्टी को मुस्लिम और दलित मत हासिल करने में कमी आ सकती है। ये मतदाता अतीत में कांग्रेस के वोटर रहे हैं, जिससे लगता है कि इसबार यह मतदाता कांग्रेस को ही वोट देगा।

आम आदमी पार्टी के साथ यह विसंगति जुड़ती जा रही है कि वह गठबंधन का हिस्सा केवल उन राज्यों में है, जहाँ आम आदमी पार्टी का अस्तित्व नहीं है। जहाँ केजरीवाल की पार्टी का अस्तित्व है, वहां गठबंधन के मायने बदल जाते हैं। इसका तात्पर्य यही है कि केजरीवाल स्वार्थ सिद्धि के लिए ही गठबंधन करते हैं। यह बात सही है कि केजरीवाल को अब राजनीति की समझ आ गई है। वे एक चतुर राजनीतिक नेता की तरह चुनाव लड़ रहे हैं, लेकिन विपक्ष की एकता के सपने को चकनाचूर कर रहे हैं। हालांकि राजनीतिक विश्लेषक गठबंधन में दरार आने का ठीकरा कांग्रेस पर फोड़ रहे हैं। कुल मिलाकर यह कहना उचित होगा कि गठबंधन अब बिखरने की ओर है।

खैर, मूल विषय रेवड़ी का है। मुफ्त की रेवड़ी बांटना निश्चित ही इस बात की ओर संकेत करता है कि आज राजनीतिक दलों ने आम जनता के बीच अपनी विश्वसनीयता खोई है इसीलिए चुनाव जीतने के जनता को प्रलोभन देकर वोट कबाड़ने की राजनीति की जा रही है। अब देखना यह है दिल्ली का सिंहासन किसका इंतजार कर रहा है। फिलहाल यही समझा जा रहा है कि मुख्य मुकाबला भाजपा और आदमी पार्टी के बीच है। प्रचार के लिए भाजपा के पास नेताओं की भारी भरकम फौज है तो आम आदमी पार्टी के पास केवल केजरीवाल हैं। चुनावी प्रचार के माध्यम से भाजपा अपनी बात को नीचे तक पहुंचाने का प्रयास करेगी और इसका प्रभाव भी हो सकता है। लेकिन फिर वही बात, क्या रेवड़ी के सहारे ही इस बार भी दिल्ली की सरकार बनेगी।

बच्चियों को उड़ने की आजादी दें, पंख खुद लगा लेंगी

बेटियों के सम्मान में केंद्र सरकार का 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का नारा जबरदस्त सफल रहा है। इससे बालिका लिंगानुपात में भी इजाफा हुआ है। 2014 में बेटियों के जन्मानुपात का आंकड़ा 918 था, तो वहीं 2022-23 में 15 अंकों की छलांग लगाकर ये आंकड़ा 933 तक जा पहुंचा। इस आंकड़े में हरियाणा अभी भी पिछड़ा हुआ है। देश की तरक्की में बेटियों को उड़ने की आजादी मिलनी चाहिए।

राष्ट्रीय बालिका दिवस (24 जनवरी) पर विशेष

डॉ. रमेश ठाकुर

देश में 'राष्ट्रीय बालिका दिवस' का आज 17 संस्करण मनाया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण दिवस की शुरूआत केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा सन-2008 से हुई। इसी दिन यानी 24 जनवरी 1966 को इंदिरा गांधी ने पहली बार बतौर प्रधानमंत्री कार्यभार संभाला था। राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर पूरे भारत में विभिन्न स्तरीय कार्यक्रम आयोजित होते हैं, जिनमें 'सेव द गर्ल चाइल्ड, 'चाइल्ड सेक्स रेशियो' व 'चाइल्ड क्राइम प्रोटेक्शन' अभियानों के अलावा बालिकाओं के स्वास्थ्य और उन्हें सुरक्षित वातावरण देने सहित तमाम तरह की जागरूकता मुहिम चलाई जाती है। इसमें सामाजिक और सरकारी संस्थानों की भागीदारी होती है।अफसोस, ऐसी तमाम कोशिशों के बावजूद बालिकाओं के विरुद्ध होने वाले जुल्म और अपराध कम नहीं हो रहे।

किशोरियों की तस्करी सबसे बड़ा चिंता का विषय है। कई राज्यों में बच्चियां अपने घरों में बंदिशों की बेड़ियों में जकड़ी हुई हैं। केंद्र सरकार ने हाल ही में संपन्न हुए संसद के शीतकालीन सत्र में आंकड़ा पेश कर बताया कि पूरे देश में अभी लाखों की संख्या में बच्चियों को उनके अभिभावक स्कूलों में नहीं भेजते। ये हाल तब है जब बच्चियों की शिक्षा पर केंद्र व राज्य सरकारें सजगता से लगी हुई हैं। यहां सरकारों को दोष नहीं दे सकते। बच्चियों से जुड़ी मौजूदा समय की सबसे विकराल समस्या 'बाल तस्करी' ही है। इस विकट समस्या का कैसे समाधान हो, इसे लेकर जनमानस कैसे जागरूक हों आदि विषय को ध्यान में रखकर ही सालाना 24 जनवरी को पूरे भारत में 'राष्ट्रीय बालिका दिवस'मनाया जाता है।

बेटियों के सम्मान में केंद्र सरकार का 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का नारा जबरदस्त सफल रहा है। इससे बालिका लिंगानुपात में भी इजाफा हुआ है। 2014 में बेटियों के जन्मानुपात का आंकड़ा 918 था, तो वहीं 2022-23 में 15 अंकों की छलांग लगाकर ये आंकड़ा 933 तक जा पहुंचा। इस आंकड़े में हरियाणा अभी भी पिछड़ा हुआ है। देश की तरक्की में बेटियों को उड़ने की आजादी मिलनी चाहिए। उनकी शिक्षा-दीक्षा में कोई कोर-कसर नहीं छोड़नी चाहिए। हालांकि किशोरियों के लिए जबसे माहौल बदला है, उन्होंने अपनी काबीलियत साबित कर दी है। रक्षा से लेकर खेल तक कोई ऐसा क्षेत्र नहीं हैं जहां बेटियां परचम न फहरा रही हों। लड़कियों के प्रति रुढ़िवादी सोच से लोग अब किनारा करने लगे हैं। कुछ लोग जो इस सोच से बाहर नहीं निकल रहे, वे अपनी लड़की को उनके अधिकारों से वंचित रखते हैं, इससे उनका करियर बन ही नहीं पाता। बच्चियों के भविष्य को अंधकार में धकेलने में परिवारों की भी बड़ी भूमिका होती हैं। परिवार ऐसा न करें, उनको समझाने के लिए ही आज का ये खास दिवस मनाया जाता है।

बच्चियों पर जुल्म समाज का सबसे बड़ा कलंक माना जाता है। इस कलंक को मिलकर मिटाना होगा। एनसीआरबी की मानें तो भारत में सालाना हजारों की संख्या में बच्चियां लापता होती हैं, जिनमें से अधिकांश बच्चियों उम्र महज 8-10 वर्ष होती हैं। गृह मंत्रालय के मुताबिक, साल 2019 से 2021 में 13.13 लाख गायब महिलाओं में ज्यादातर लड़कियां की संख्या रही। वहीं, केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अनुसार बीते 5 सालों में 2.75 लाख बच्चे गुम हुए जिनमें से 2.12 लाख सिर्फ लड़कियां थीं। लापता बच्चों के मामले में पश्चिम बंगाल अव्वल है जहां साल-2022 में 12,546 लड़कियां गुम हुईं। मध्य प्रदेश दूसरे नंबर पर है जहां 11,161 किशोरियां गायब हुईं। बाकी प्रदेशों के हाल भी अच्छे नहीं हैं। इसके अलावा बाल तस्करी, बाल विवाह और नाबालिगों के साथ यौन शोषण की घटनाएं भी कम होने के जगह बढ़ी हैं। इन्हें सामूहिक प्रयासों से रोकना होगा।

निश्चित रूप से 'राष्ट्रीय बालिका दिवस' समूचे भारत में बच्चियों के समक्ष आने वाली चुनौतियों की शिनाख्त कर उन चुनौतियों से जूझने की तरफ ध्यान आकर्षित करता है। हमारी सामाजिक जिम्मेदारी ये बनती है कि बच्चियों के विरुद्ध घटित अपराधों और संभावित खतरों से मुंह नहीं फेरना चाहिए। सबसे पहले बालिकाओं की तस्करी पर अंकुश लगना चाहिए क्योंकि यह किसी भी देश के लिए घोर कलंक जैसा है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

छात्रों की आत्महत्या की बढ़ती संख्या

प्रतियोगी पाठ्यक्रम के भारी-भरकम बोझ से बच्चों का मानसिक विकास अवरुद्ध हो रहा है। इससे बच्चों को भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है। बच्चों के जीवन में तनाव के पौध की बड़ी वजह यह भी है कि लंबे समय तक स्कूल के घंटों के बाद बच्चे घर लौटते ही होमवर्क निपटाने में जुट जाते हैं। इसके बाद ट्यूशन के लिए दौड़ पड़ते हैं। खाना-पीना, सोना, खेलकूद, सब हराम हो जाता है।

- डॉ. सत्यवान सौरभ

वैसे तो इस दौर में पूरी युवा पीढ़ी ही भयावह मानसिक व्याधि से विचलित है, इनमें विशेषतः छात्र विचलन गंभीर चिंता का विषय है। हमारे देश में प्रति 100 में 15 से अधिक छात्र अवसाद, चिंता और आत्मघात से पीड़ित पाए जा रहे हैं। कठिन प्रतिस्पर्धा और पढ़ाई-लिखाई में अनुशासन आदि को लेकर तनाव बढ़ रहा है, उससे न सिर्फ शिक्षा व्यवस्था से जुड़े लोगों बल्कि पूरे समाज की चिंता बढ़ती गई है। पारिवारिक दबाव, शैक्षिक तनाव और पढ़ाई में अव्वल आने की महत्वाकांक्षा ने छात्रों के एक बड़े वर्ग को गहरे मानसिक अवसाद में डाल दिया है। अभिभावकों की उम्मीदों पर खरा नही उतर पाने वाले, परीक्षा में खराब प्रदर्शन करने वाले बच्चों को घर पर पिटना पड़ता है। परीक्षा और नतीजों के दबाव में छात्रों की आत्महत्याएँ आम होती जा रही हैं। छात्र आत्महत्याओं में बेतहाशा वृद्धि के पीछे मानसिक तनाव सबसे आम कारक बन चुका है। तनावग्रस्त छात्रों की आत्महत्याओं का ग्राफ बढ़ रहा है। जैसे-जैसे परीक्षा के दिन निकट आते हैं, छात्रों का तनाव हद से गुजरने लगता है। पूरी युवा पीढ़ी का परीक्षा के दिनों में ऐसे हालात से दो-चार होना देश और समाज, अभिभावकों और शिक्षाविदों, सभी के लिए गंभीर चिंता का विषय है। शिक्षा क्षेत्र में दशकों से व्याप्त कई बुनियादी गंभीर समस्याओं और चुनौतियों पर अभी तक पार पाने में कामयाबी नहीं मिली है।

व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं को अनिवार्य कर दिए जाने के बाद से छात्रों को प्रतिस्पर्धा करने और प्रदर्शन करने के लिए भारी तनाव का सामना करना पड़ता है। प्रदर्शन के दबाव को संभालने, माता-पिता की अपेक्षाओं को पूरा करने और आकांक्षाओं को प्राप्त करने में असमर्थता मनोवैज्ञानिक संकट और बाद में अवसाद का कारण बन सकती है। आधुनिक शिक्षा प्रणाली में अकादमिक उत्कृष्टता की निरंतर खोज ने अनजाने में छात्रों के बीच तीव्र दबाव और प्रतिस्पर्धा का माहौल पैदा कर दिया है। शैक्षणिक उपलब्धियों पर अत्यधिक ध्यान देने के साथ-साथ सामाजिक अपेक्षाओं और असफलता के डर ने छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर महत्त्वपूर्ण प्रभाव डाला है। इसने चिंता, अवसाद और तनाव की वृद्धि में योगदान दिया है। बढ़ती प्रतिस्पर्धा को देखते हुए कई बार छात्रों पर अच्छा प्रदर्शन करने का लगातार दबाव रहता है। वे अपनी तुलना दूसरों से करते हैं। यह अंतर्निहित दबाव मानसिक परेशानी के विभिन्न रूपों में प्रकट हो सकता है, जिसमें चिंता, विफलता का डर और कम आत्मसम्मान शामिल है। गंभीर मामलों में, मानसिक स्वास्थ्य सम्बंधी समस्याएँ आत्म-नुकसान का कारण बन सकती हैं और यहाँ तक कि आत्महत्या के प्रयासों के विचार को भी जन्म दे सकती हैं।

प्रतियोगी पाठ्यक्रम के भारी-भरकम बोझ से बच्चों का मानसिक विकास अवरुद्ध हो रहा है। इससे बच्चों को भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है। बच्चों के जीवन में तनाव के पौध की बड़ी वजह यह भी है कि लंबे समय तक स्कूल के घंटों के बाद बच्चे घर लौटते ही होमवर्क निपटाने में जुट जाते हैं। इसके बाद ट्यूशन के लिए दौड़ पड़ते हैं। खाना-पीना, सोना, खेलकूद, सब हराम हो जाता है। आराम करने और अन्य पाठ्येतर गतिविधियाँ करने का उन्हें समय ही नहीं मिलता है। ऐसे में छात्रों के लिए कम नींद और अवसाद की स्थिति या गंभीर तनाव का सबब बनी रहती है। वर्तमान प्रतियोगी दौर में छात्रों की आत्महत्या के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। परीक्षा केंद्रित शिक्षा से भारत में छात्रों की आत्महत्याओं में अंक, अध्ययन और प्रदर्शन के दबाव के साथ अकादमिक उत्कृष्टता की तुलना करना इस अवसाद के पीछे महत्त्वपूर्ण कारक हैं। भारत में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे किसी भी छात्र के साथ एक साधारण साक्षात्कार, चाहे वह जेईई, एनईईटी या सीएलएटी हो, यह प्रकट करेगा कि छात्रों के बीच मानसिक संकट का प्रमुख स्रोत उन पर दबाव की असहनीय मात्रा है जो लगभग हर एक द्वारा डाला जाता है। हर शिक्षक, हर रिश्तेदार कठिन अध्ययन और एक अच्छे कॉलेज में प्रवेश पाने के महत्त्व को दोहराते हैं। जबकि छात्र स्नातक होने के बाद क्या करने की आकांक्षा रखता है या जहाँ उसकी रुचियाँ हैं, उसके बारे में सहज पूछताछ बहुत कम की जाती है।

इन सभी परीक्षाओं की अत्यधिक जटिल प्रकृति (सभी नहीं) का अनिवार्य रूप से मतलब है कि उन्हें पास करने के लिए माता-पिता को अपने बच्चों को प्रतिष्ठित कोचिंग सेंटरों में दाखिला दिलाने का सपना पूरा करना होगा, इससे छात्र के लिए एक से अधिक तरीकों से समस्या बढ़ जाती है क्योंकि वह कोचिंग पर माता-पिता द्वारा खर्च किए गए पैसे को चुकाने के लिए अब परीक्षा को पास करने का दबाव बढ़ गया है और उसे कोचिंग संस्थान के अतिरिक्त दबावों का भी सामना करना पड़ता है। जब तक देश की परीक्षा संस्कृति से इस कुत्सित व्यवस्था को समाप्त नहीं किया जाता है, तब तक छात्रों में आत्महत्या की दर को रोकने के मामले में कोई प्रत्यक्ष परिवर्तन नहीं देखा जाएगा। सरकार को इस मुद्दे पर संज्ञान लेना चाहिए, अगर वास्तव में हम सोचते है कि आज के बच्चे कल के भविष्य हैं। जबरन करियर विकल्प देने से कई छात्र बहुत अधिक मात्रा में दबाव के आगे झुक जाते हैं, खासकर उनके परिवार और शिक्षकों से उनके करियर विकल्पों और पढ़ाई के मामले में। शैक्षिक संस्थानों से समर्थन की कमी के चलते बच्चों और किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों से निपटने के लिए सुसज्जित नहीं है और मार्गदर्शन और परामर्श के लिए केंद्रों और प्रशिक्षित मानव संसाधन की कमी है। ऐसे कठिन दौर में आज छात्रों में आत्महत्या की प्रकृति और प्रवृत्ति का नए सिरे से अध्ययन करने की भी बहुत जरूरत है, क्योंकि देश की पूरी युवा बौद्धिक संपदा दांव पर लगी हुई है, जिसके दूरगामी गंभीर नतीजे पूरे राष्ट्र के माथे पर गहरा शिकन ला सकते हैं। युवाओं के कंधे पर स्थापित विकासशील प्रगति का पूरा ढांचा ही भरभरा कर गिर सकता है। छात्रों को इसे चुनौती के रूप में लेते हुए पूरी क्षमता के साथ इसका सामना करना चाहिए। परीक्षा जीवन-मृत्यु का प्रश्न नहीं है। परीक्षा परिणामों को जीवन का अंतिम आधार न मानकर अपनी सफलता की राह स्वयं बनानी होती है। बिना श्रम के जीवन के किसी भी क्षेत्र में सफलता नहीं मिलती। अभिभावकों को यह समझना है कि उन्हें अपने बच्चों के साथ कैसा बर्ताव करना है। छात्रों के बीच मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों की बढ़ती व्यापकता से निपटने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है जिसमें व्यक्ति, संस्थान और समग्र रूप से समाज शामिल हो। सफलता को फिर से परिभाषित करना और छात्रों को अपने जुनून और रुचियों को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना उनके मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक है। केवल शैक्षणिक उपलब्धियों पर आधारित सफलता की संकीर्ण परिभाषा से आगे बढ़ने से छात्रों को अपनी अद्वितीय प्रतिभा का पता लगाने और अपने चुने हुए रास्ते में पूर्णता पाने का मौका मिलता है।

आत्महत्या के जोखिम कारकों को कम करने के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षित करना और परीक्षा के नवीन तरीकों को अपनाया जाना चाहिए। छात्रों की सराहना करने की आवश्यकता है और यह बदलना महत्त्वपूर्ण है कि भारतीय समाज शिक्षा को कैसे देखता है। प्रयासों का उत्सव होना चाहिए न कि अंकों का। छात्रों की चिंताओं, अवसाद और अन्य मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों को दूर करने के लिए सभी स्कूलों/कॉलेजों/कोचिंग केंद्रों में प्रभावी परामर्श केंद्र स्थापित किए जाने चाहिए। बढ़ते संकट को दूर करने के लिए अतीत की विफलताओं से सीखना और छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों, संस्थानों और नीति निमार्ताओं सभी हितधारकों को शामिल करने वाले तत्काल कदम उठाने की आवश्यकता है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

मन और शरीर स्थिर हो तो आनंद का अनुभव होता है

हम जीवन को जितना समझते हैं, जीवन उससे कहीं अधिक है। मनुष्य रूप में हमें जो जन्म मिला है, वह अपनी आत्मा को जानने और उसका मिलाप परमात्मा से कराने के लिए है। जब यह पता होगा कि हमें हमारी आत्मा को परमात्मा में लीन कराना है, तभी हम आंतरिक आध्यात्मिक यात्रा शुरू करेंगे। इसी यात्रा में हम अपने अंतर में परमात्मा का अनुभव कर सकते हैं। इसके लिए हमें अपने ध्यान को बाहरी दुनिया से हटाकर अंतर में केंद्रित करने की सही तकनीक को सीखने की जरूरत है। इस प्रक्रिया को हम ध्यान-अभ्यास कहते हैं।

जब हम अपना ध्यान बाहर की दुनिया से हटाकर अंतर में केंद्रित करते हैं, तब हमारे लिए आंतरिक आध्यात्मिक दुनिया खुल जाती है। तब हम परमात्मा की ज्योति और प्रेम से जुड़ सकते हैं। शांत होकर बैठने की प्रक्रिया दिखने में आसान लगती है, लेकिन जब हम ध्यान-अभ्यास के लिए बैठते हैं, तब पाते हैं कि कई रुकावटें हमारे रास्ते में आती हैं। जैसे ही हमें अपने अंतर में कुछ अनुभव होता है, तब हमें यह भ्रम होता है कि हमने अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लिया है। जबकि हम केवल रास्ते के एक मोड़ तक ही पहुंचे होते हैं। हमें लक्ष्य में आने वाले मोड़ को समझने की जरूरत है। हमें मोड़ को मंजिल समझकर रुकना नहीं चाहिए, बल्कि अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहना चाहिए।

जैसे ही हम परमात्मा की ओर जाने वाले रास्ते पर कदम बढ़ाते हैं, हमारा मन हमें अंतर में कई मुसीबतों और बाधाओं में डाल देता है। मन से उत्पन्न होने वाले विचार और इच्छाएं हमें विचलित कर हमारा ध्यान अपने लक्ष्य से भटका कर दूर कर देते हैं। ध्यान-अभ्यास के दौरान हममें से बहुत से लोग शरीर या मन को स्थिर नहीं कर पाते। हम एक या दो दिन की कोशिश के बाद शायद हार मान जाते हैं क्योंकि हम लंबे समय तक स्थिर नहीं रह सकते हैं। लेकिन जब हमें इसका अभ्यास हो जाता है तो हम अपने आपको आंतरिक आध्यात्मिक दुनिया के नजारों और आवाजों का आनंद लेते हुए पाते हैं। इसे महसूस करने की जरूरत है।

ध्यान-अभ्यास के लिए हमें धैर्य, दृढ़ता और कठिन परिश्रम की जरूरत है। इसमें हमें अपने ध्यान को अपने भीतर केंद्रित कर भटकने नहीं देना चाहिए। समय के साथ-साथ मेहनत करके हम अपने मन और शरीर को स्थिर करने में समक्ष हो जाते हैं, फिर आंतरिक दुनिया हमारे लिए खुल जाती है। फलस्वरूप हम परमात्मा के प्रेम और ज्योति के साथ जुड़ने पर असीम आनंद का अनुभव कर सकते हैं। इस आनंद या इस अनुभव को शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता।

कदम दर कदम जैसे ही हम अपनी तकनीक में सुधार लाकर अपने लक्ष्य की ओर ध्यान करते हैं, तो हम उस उद्देश्य को पूरा कर सकते हैं, जिसके लिए हमें यह मानव शरीर मिला है।

हममें से प्रत्येक आंतरिक यात्रा कर सकता है। प्रश्न केवल यही है कि हम अपने लक्ष्य की तरफ कितना ध्यान केंद्रित करते हैं और उसकी प्राप्ति के लिए कितनी लगन और दृढ़ निश्चय से प्रयास करते हैं।

अध्यात्म

शब्द की मजबूरी है, और कोई बात नहीं है

वैराग्य का अर्थ, जहां न राग रह गया, न विराग रह गया। जहां न किसी चीज का आकर्षण है, न विकर्षण है। न किसी चीज के प्रति खिंचाव है, न विपरीत भागना है। जहां न किसी चीज का बुलावा है, न विरोध है। जहां व्यक्ति थिर हुआ, सम हुआ, जहां पक्ष और विपक्ष एक से हो गए, वहां वैराग्य फलित होता है। लेकिन इसे विराग या वैराग्य क्यों कहते हैं? जहां वैराग्य भी नहीं है, वहां वैराग्य क्यों कहते हैं? क्योंकि कोई उपाय नहीं है। शब्द की मजबूरी है, और कोई बात नहीं है। आदमी के पास सभी शब्द द्वंद्वात्मक हैं, डायलेक्टिकल हैं। आदमी की भाषा में ऐसा शब्द नहीं है जो नॉन-डायलेक्टिकल हो, द्वंद्वात्मक न हो। मनुष्य ने जो भाषा बनाई है, वह मन से बनाई है। मन द्वंद्व है। इसलिए मनुष्य जो भी भाषा बनाता है, उसमें विपरीत शब्दों में भाषा को निर्मित करता है। मजे की बात है कि हमारी भाषा बन ही नहीं सकती विपरीत के बिना। क्योंकि बिना विपरीत के हम परिभाषा नहीं कर सकते। अगर कोई आपसे पूछे कि अंधेरा यानी क्या? तो आप कहते हैं, जो प्रकाश नहीं है। कोई पूछे, प्रकाश क्या? तो आप कहते हैं, जो अंधेरा नहीं है। न आपको अंधेरे का पता है कि क्या है, न प्रकाश का पता है कि क्या है? अंधेरे को जब पूछते हैं, तो कह देते हैं, प्रकाश नहीं है। जब पूछते हैं, प्रकाश क्या है? तो कह देते है, अंधेरा नहीं है। यह कोई परिभाषा हुई? परिभाषा तो तभी हो सकती है, जब कम से कम एक का तो पता हो! एक आदमी एक अजनबी गांव में गया। उसने पूछा कि 'अ' नाम का आदमी कहां रहता है? तो लोगों ने कहा, 'ब' नाम के आदमी के पड़ोस में। पर उसने कहा, मुझे 'ब' का भी कोई पता नहीं, 'ब' कहां रहता है? उन्होंने कहा, 'अ' के पड़ोस में। ऐसे ही आदमी से पूछो, चेतना क्या है? वह कहता है, जो पदार्थ नहीं है। उससे पूछो, पदार्थ क्या है? वह कहता है, जो चेतना नहीं। माइंड क्या है? मैटर नहीं। मैटर क्या है? माइंड नहीं। बड़े से बड़ा दार्शनिक भी इसको परिभाषा कहता है। यह डेफिनिशन हुई? यह तो धोखा हुआ, डिसेप्शन हुआ- परिभाषा न हुई। क्योंकि इसमें से एक का भी पता नहीं है। आदमी को कुछ भी पता नहीं है, लेकिन काम तो चलाना पड़ेगा। इसलिए आदमी बेईमान शब्दों को रखकर काम चलाता है। उसके सब शब्द डिसेप्टिव हैं। उसके किसी शब्द में कोई भी अर्थ नहीं है। क्योंकि अपने शब्द में वह जिस शब्द से अर्थ बताता है, उस शब्द में भी उसको कोई अर्थ पता नहीं है। उसकी सब परिभाषाएं सर्कुलर हैं, वतुर्लाकार हैं। वह कहता है, बाएं यानी क्या? वह कहता है, जो दाएं नहीं है। और दाएं? वह कहता है, जो बाएं नहीं है। लेकिन इनमें से किसी को पता है कि बायां क्या है?- ओशो

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने गणतंत्र दिवस परेड पूर्वाभ्यास का किया निरीक्षण

आत्मविश्वास, उत्साह और देश प्रेम की ऊर्जा के साथ मनाए गणतंत्र दिवस : उपायुक्त

विनय मिश्रा

दिनांक-24.01.2025 को स्थानीय के के एन स्टेडियम में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी विशाल सागर व पुलिस अधीक्षक अजीत पीटर डुंगडुंग की उपस्थिति में गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले परेड का अंतिम पूर्वाभ्यास किया गया। इसके अलावे पूर्वाभ्यास कार्यक्रम में जिला पुलिस बल की टुकड़ी, जैप-5 के जवानों की टुकड़ी सहित महिला/पुरूष पुलिस जवान, गृह रक्षा वाहिनी कैडेरों, एनसीसी, स्कूली बच्चों ने हिस्सा लिया। इस दौरान सार्जेन्ट मेजर द्वारा पूर्वाभ्यास करने वाले प्रतिभागियों का नियमानुसार नेतृत्व किया गया।

इसके अलावे गणतंत्र दिवस की तैयारियों के तहत परेड का पूर्वाभ्यास दिनांक-20.01.2025 से चल रहा था, जिसके तहत दिनांक- 24.01.2025 को अंतिम पूर्वाभ्यास किया गया। इस दौरान मौके पर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी विशाल सागर ने सभी का उत्साहवर्द्धन करते हुए कहा कि चेहरे पर आत्मविश्वास, उत्साह और राष्ट्र प्रेम की ऊर्जा के साथ कार्यक्रम को भव्य बनाने में अपना शत प्रतिशत योगदान दें। इसके अलावे पुलिस अधीक्षक श्री अजीत पीटर डुंगडुंग ने संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को परेड को लेकर आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया।

इस दौरान मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत करते हुए उपायुक्त श्री विशाल सागर ने जिलावासियों को मुख्य समारोह में शामिल होने का आग्रह करते हुए कहा कि हम सभी को चाहिये कि हम राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत हो शान्तिपूर्ण व सुरक्षित ढंग से इस राष्ट्रीय पर्व को मनायें एवं विधि व्यवस्था बनाये रखने में जिला प्रशासन का सभी सहयोग करें। साथ ही उन्होंने जानकारी दी कि परेड में इस वर्ष सरकारी स्कूल के बच्चियों की टुकड़ी भी शामिल होगी। आगे उपायुक्त ने मुख्य अतिथि माननीय मंत्री जल संसाधन और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग श्री हफीजुल हसन द्वारा 9:05 मिनट पर झंडोत्तोलन किया जाएगा। साथ ही गणतंत्र दिवस के दिन मुख्य कार्यक्रम स्थल स्थानीय के0के0एन0 स्टेडियम में निर्धारित नियमानुसार कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा संध्या 06 बजे से देश भक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान उपरोक्त के अलावे* जिला नजारत उपसमाहर्ता, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला भूअर्जन पदाधिकारी, जिला योजना पदाधिकारी, जिला खेल पदाधिकारी, मुख्यालय पुलिस उपाधीक्षक, सार्जेन्ट मेजर, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी एवं संबंधित विभाग के अधिकारी, पुलिस पदाधिकारी कर्मी आदि उपस्थित थे।

न्यूज ब्रीफ

यह नारा राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्धता कर्तव्य और जिम्मेवारी का एहसास कराता है

साहिबगंज: विद्या भारती विद्यालय,जमुनादास केदारनाथ चौधरी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर,साहिबगंज के वंदना कक्ष में स्पराक्रम दिवसस के अवसर पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई गई।जयंती समारोह का आरंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य रामदेव राम,सभी आचार्य जी दीदी जी एवं कक्षा प्रथम से नवम के कक्षा नायक के द्वारा नेताजी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पित किया।जयंती समारोह को संबोधित करते हुए रामदेव राम ने बताया कि सुभाष चंद्र बोस महान स्वतंत्रता सेनानी, क्रांतिकारी नेता व सच्चे देशभक्त थे।नेताजी के लिए, राष्ट्र सर्वोपरि था।मातृभूमि को अंग्रेजों के चंगुल से मुक्त करने के लिए उन्होंने अपनी सेना आजाद हिंद फौजस्बनाने का रास्ता चुना।आचार्य अजय कुमार ने बताया कि सुभाष चंद्र बोस ने नारा दिया थास्तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा।स्जो देश के हर नागरिक व युवाओं के दिलों पर अंकित है।यह नारा राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्धता,कर्तव्य और जिम्मेवारी का एहसास कराता है।कक्षा सप्तम के भैया कुणाल उपाध्याय एवं कक्षा षष्ठ के भैया किट्टू ने भी नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला।जयंती समारोह का संचालन आचार्य अमित कुमार ने किया।जयंती समारोह में विद्यालय के सभी आचार्य जी,दीदी जी एवं कक्षा प्रथम से नवम के भैया बहन उपस्थित थे।

साहिबगंज सदर प्रखंड इकाई का चुनाव संपन्न

साहिबगंज : जिला मुख्यालय स्थित तारा मंदिर रेलवे इंस्टिट्यूट के बगल में झारखंड मजदूर संघ प्रजा० के जिला अध्यक्ष मिथुन कुमार यादव की अध्यक्षता में बैठक किया गया।बैठक में केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव मुख्य रूप से मौजूद रहे।बैठक में साहिबगंज सदर प्रखंड इकाई का चुनाव संपन्न हुआ।जिसमें प्रखंड अध्यक्ष शत्रुघन यादव,महामंत्री मोहम्मद जावेद अख्तर को चुना गया।वही नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती माला पहनकर उनके सिद्धांतों पर चलने का संकल्प लिया।वही जिला अध्यक्ष मिथुन कुमार यादव ने कहा कि आगामी 26 जनवरी को झारखंड मजदूर संघ के जिले के सभी प्रखंड मुख्यालय में झंडा फहराने का निर्देश दिए गए।साथी जिला कमेटी की बैठक आगामी 31 जनवरी मछुआ सोसाइटी में होगी।इस बैठक मुख्य रूप से केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव,केंद्रीय उपाध्यक्ष फूल कुमारी देवी,केंद्रीय कार्य समिति सदस्य मनोज खुडानिया,ब्रह्मदेव यादव चंचल यादव सुनील गुप्ता अजय कुमार,मनोज सोरेन सहित अन्य लोग मौजूद थे।

यंग बॉयज क्रिकेट क्लब ने 5 विकेट से जीता मैच

साहिबगंज:जिला क्रिकेट संघ के तत्वाधान में सिदो-कान्हू स्टेडियम में चल रहे सीनियर क्रिकेट लीग टूर्नामेंट में गुरुवार को यंग बॉयज सीसी बनाम द न्यूबीज के बीच मैच खेला गया। द न्यूबीज ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 24.1 ओवर में 141 रन बना कर ऑल आउट हो गई। सुमन कुमार ने 52, शहनवाज ने 17, नवीन ने 11, समीर कुरैशी ने 35 व आदित्य ने 10 रनों की पारी खेली। यंग बॉयज क्रिकेट क्लब के गेंदबाज दीपक ने 2, पवन ने 2, कुश तिवारी, रजनीश आनंद, शत्रुघन यादव, श्याम रंजन तिवारी ने 1-1 विकेट लिया। बाद में बल्लेबाजी करने उतरी यंग बॉयज क्रिकेट क्लब की टीम ने 18.2 ओवर में 5 विकेट पर 143 रन बना कर 5 विकेट से मैच जीत लिया। पवन ने 13, सुमन कुमार ने 14, कुश तिवारी ने 51, दीपक ने 21, सन्नी कुमार ने 10 रन बनाए। दी न्यूबीज के गेंदबाज सुमन राज ने 2, रवि, पीयूष व शहनवाज ने 1-1 विकेट लिया। यंग बॉयज क्रिकेट क्लब के खिलाड़ी कुश तिवारी को मैन ऑफ दी मैच घोषित किया गया। मुख्यातिथि सीनियर क्रिकेटर सतीश सिन्हा ने कुश तिवारी को मैन ऑफ दी मैच की ट्रॉफी से पुरस्कृत किया। मैच में अंपायरिंग राकेश कुमार रोशन व प्रभाकर सिंह उर्फ गुड्डा एवं स्कोरिंग सागर सुमन ने किया। मौके पर टूनामेंट इंचार्ज मो अशफाक आलम, सतीश सिन्हा, गोपाल सिंह, राकेश कुमार रोशन, मो जुनैद, आदित्य ज्ञान व अन्य मौजूद थे।

सिविल सर्जन ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीएचसीका औचक निरीक्षण

साहिबगंज : सीएचसी पतना मे उपस्थित अधिकारी एवं कर्मी डॉ मुकुंद एम ओ आयुष स्टाफ नर्स एएन एम लैब टेक्नीशियन फार्मासिस्ट बहुत ही बारकी से जाच किया।सिविल सर्जन द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पतना का औचक निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के क्रम में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, बुनियादी सुविधाओं, दवा उपलब्धता, स्टाफ की उपस्थिति, और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एन एच एम के तहत चल रहे कार्यक्रमों की स्थिति का मूल्यांकन,ओपीडी और आईपीडी सेवाएं,मरीजों को फ्री दवा और जांच की सुविधा ,एएनसी प्रसव पूर्व जांच गर्भवती महिलाओं के लिए नियमित जांच, आयरन-फोलिक एसिड टैबलेट और टेटनस टीकाकरण प्रसव केंद्र में सामान्य प्रसव,जेएसवाई जेएसएसके जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत सभी सुविधाएं ,नवजात देखभाल ,टीकाकरण कार्यक्रम,टीकाकरण रिकॉर्ड यूडब्लूआई एन ,एच एमआई आईएस पोर्टल में अपलोड ,परिवार कल्याण कार्यक्रम,लैब एवं डायग्नोस्टिक सेवाए,लैब में हीमोग्लोबिन, ब्लड शुगर, मलेरिया, टाइफाइड, एच आईवी टीबी ,औषधि भंडार एवं आपूर्ति ए एस एच ए कार्यकताओं की नियमित रूप से घर-घर भ्रमण

भर्ती मरीजों के लिए पोषण आहार सही मात्रा में उपलब्धता आयुष्मान भारत टीबी उन्मूलन कार्यक्रम

कुष्ठ एवं कालाजार उन्मूलन कार्यक्रम राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम आरबीएसके गैर संचारी रोग एनसीडी कार्यक्रम आदि को बारी बारी से देखा गया एवं आवश्यक दिशानिर्देश दिया गया।

एक युवक ने लोहे के रोड से मार कर गंभीर रूप से घायल

साहिबगंजः नगर थाना क्षेत्र के पूर्वी फाटक निवासी मनोज पंडित को उसके बगल का रहने वाला एक युवक ने लोहे के रोड से मार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल अपने स्वजनों के साथ इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचा जहां डाक्टर ने प्राथमिक उपचार किया। घायल मनोज ने बताया कि घर के बगल में ई रिक्शा लगाकर रखे थे। कितने में मेरे बगल में रहने वाला निक्की आया और बोला कि यहां से ई रिक्शा हटा लो जब मैं ई रिक्शा वहां से हटाकर अपने घर के पास रखना रख रहा था तभी अचानक निक्की गाली गलौज देते हुए लोहे के रेट से मेरे सिर पर वह हाथ पर वार कर दिया जिससे मेरा सिर फट गया और हाथ में गंभीर चोट लगी। चीख पुकार के बाद मेरे स्वजन घर से बाहर निकले और मेरी जान बचाकर इलाज के लिए सदर अस्पताल लेकर पहुंचे।

एक युवक के खाते से 88000 गायब

साहिबगंजःजिरवाबाडी थाना अंतर्गत सकड़ोगढ़ के रहने वाले गौतम कुमार पंडित के अकाउंट से साइबर अपराधियों ने 2000 करके 88000 की अवैध निकासी कर लिया। गौतम ने इस मामले को लेकर जिरवाबाडी थाना प्रभारी को आवेदन देकर रूपय वापसी की गुहार लगाई है। गौतम कुमार पंडित ने बताया कि मोबाइल में एक मैसेज आता है कि आपका खाता से 2000 निकासी हो चुके हैं मैसेज चेक किया तो फिर लगातार मैसेज 2000 काटने का आने लगा । जब अकाउंट का बैलेंस जांच किया तो देखा कि अकाउंट से 88000 निकासी हो चुके हैं। जबकि किसी प्रकार का कोई ओटीपी भी नहीं आया ना ही किसी ने फोन किया इसके बावजूद सारा पैसा अवैध रूप से निकासी हो गया।

खेल प्रतियोगिता तो बहाना हैअसल में सड़क सुरक्षा का पाठ पढ़ना है : मिथिलेश

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : सड़क सुरक्षा माह2025 के उपलक्ष में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के तहत सड़क सुरक्षा फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। खेल प्रतियोगिता तो बहाना हैअसल में सड़क सुरक्षा का पाठ पढ़ना है।राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2025 के कार्यक्रम के तहत आज साहिबगंज जिले के तेतरिया मैदान में सड़क सुरक्षा फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सड़क सुरक्षा आयोजन किया गया। जिला परिवहन पदाधिकारी मिथिलेश कुमार चौधरी द्वारा बताया गया कि सड़क सुरक्षा माह 2025 का खेल प्रतियोगिता तो बहाना है। असल में सभी को सड़क सुरक्षा का पाठ पढ़ना है। इसी संदेश के तहत साहिबगंज जिले भर में सड़क सुरक्षा पर आधारित विभिन्न विभिन्न कार्यक्रम किया जा रहे हैं।जिसे आम जनमानस को जागरूक किया जा सके एवं यातायात करते वक्त नियमों का पालन करेंगे जिससे सड़क पर हो रही दुर्घटनाओं में कमी लाया जा सकेगा।जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह के द्वारा नेक नागरिक बनकर सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मदद बिना किसी संकोच या बिना किसी भय के करने को कहा गया क्योंकि नेक नागरिक गुड सेमीरिटर्न पॉलिसी के अंतर्गत सरकार द्वारा घायल व्यक्ति को मदद पहुंचाने पर ?2000 के पुरस्कृत राशि एवं प्रशस्ति पत्र का प्रावधान है जिसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के द्वारा पुरस्कृत राशि दिया जाएगा। साथ ही साहिबगंज के विभिन्न क्षेत्रों पर हैंडबिल पंपलेट बुकलेट आदि वितरण किया जा रहा है एवं सभी आम जनमानस को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जा रहा।सड़क सुरक्षा माह 2025 का कार्यक्रम सिर्फ आंकड़ों को कम करने तक सीमित नहीं है बल्कि यह लोगों को जीवन के प्रति अधिक जिम्मेदार बनने का संदेश देता है।इस मौके पर जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह, रोड इंजीनियर एनालिस्ट अनुज पराशर, आईटी सहायक राजहंस।दुगाटोला पंचायत मुखया गंगू पहाड़िया, तेतरिया संथाली ग्राम प्रधान समाय टुडु, पंचायत सचिव जीतन टुडु एवं अन्य कर्मी मौजूद रहे।

भवन निर्माण विभाग के सचिव अरवा राजकमल के बेहतर और उत्कृष्ट कार्य से झारखंड में बनी है विभाग की विशेष पहचान

विनय मिश्रा

अधिकारी की पहचान विभाग के बेहतर और उत्कृष्ट कार्यों से बनती है जो अधिकारी की उत्कृष्ट कार्य का परिणाम होता है। भारतीय प्रशासनिक 2008 बैच के लोकप्रिय, कर्मठ एवं उपलब्धि भरे कार्यों के लिए पहचाने जाने वाले अरवा राजकमल ऐसे आईएएस अधिकारी हैं जिनकी कर्मठता और उपलब्धि ही पहचान है। श्री राजकमल जिस विभाग में भी पदस्थापित रहे अपने कार्यों से विभाग को भरपूर गति दी इसका ये परिणाम हुआ कि वो जहाँ भी पदस्थापित रहे उस विभाग ने उपलब्धि का आंकड़ा हमेशा हासिल किया। वर्तमान समय में श्री राजकमल भवन निर्माण विभाग के सचिव हैं तथा उनके योगदान देने के पश्चात से झारखंड राज्य में विभाग ने निरंतर कई उपलब्धियां हासिल की हैं जो राज्य और विभाग के लिए गौरव की बात है। ऐसे आईएएस अधिकारी से राज्य और विभाग दोनों गौरवान्वित होते हैं। इनके बेहतर और उपलब्धि भरे कार्यों की मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी काफी सराहना की।

मामूली विवाद को लेकर जमकर मारपीट

साहिबगंज : नगर थाना क्षेत्र के सकड़ोगढ निवासी हसीना खातून व मंजर आलम के बीच मामूली विवाद को लेकर जमकर मारपीट हो गई। जिसमें दोनों घायल हो गए और इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचे। घायल हसीना ने बताया कि मंजर और उसके स्वजन मेरे जमीन पर बास गाड़ रहे थे विरोध किया तो उन लोगों ने हम लोगों के साथ मारपीट शुरू कर दी और घायल कर दिया। वहीं दूसरी ओर मंजर ने बताया हसीना व उसके स्वजन हम लोगों के साथ बिना बात के मारपीट करने लगे।

जयंती पर याद किए गए नेताजी सुभाष चंद्र बोस

दुमका : गुरुवार को भारत माता के महा- सपूत नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती झारखंड राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ, दुमका,भारत स्काउट एवं गाइड, दुमका एवं एनसीसी के संयुक्त तत्वावधान में झारखंड राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ के राज्याध्यक्ष सह भारत स्काउट एवं गाइड,दुमका के वरीय उपसभापति दिवाकर महतो के कुशल नेतृत्व मे धूमधाम से मनाई गई।इस शुभ अवसर पर झारखंड राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों तथा स्काउट गाइड एवं एनसीसी कैडेट्स द्वारा नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के मूर्ति पर माल्यार्पण कर उनको नमन किया गया। इस अवसर पर नेताजी सुभाष चन्द्र बोस भवन (झारखंड राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ भवन) दुमका मे दिवाकर महतो के नेतृत्व मे नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के सपनों का भारत विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार मे अपने विचारों को रखते हुए दिवाकर महतो ने कहा कि नेताजी सुभाष चन्द्र बोस का अदम्य साहस,राष्ट्रप्रेम और देश के स्वतंत्रता के प्रति उनका समर्पण हर भारतीयों के लिए प्रेरणास्रोत है।श्री दिवाकर ने कहा कि देश के सभी बुद्धिजीवी नेताजी के आदर्शों,देश के लिए उनका त्याग एवं नेताजी के सपनों के भारत को मूर्त रूप देने के लिए प्रतिदिन दस मिनट चिंतन करें। पूर्व प्राचार्य डॉ0 अजय कुमार गुप्ता ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस के व्यक्तित्व एवं कृतित्व ने आजादी के आंदोलन को एक नई दिशा दी। पूर्व प्राचार्य अशोक कुमार साह ने कहा कि नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के जीवन से हमे निरन्तर प्रेरणा मिलती है।पूर्व प्रभारी प्रधानाध्यापक शिशिर कुमार घोष ने कहा कि नेताजी का पूरा जीवन माँ भारती के लिए समर्पित था। पूर्व प्रभारी प्राचार्य डॉ0 दिलीप कुमार झा ने कहा कि नेताजी का पूरा जीवन देश के लिए त्याग एवं बलिदान के लिए एक मिसाल है। हमे उनके सपनों को साकार करने के लिए कृतसंकल्पित होना होगा।मंच संचालन डॉ0 दिलीप कुमार झा ने किया। मौके पर उपस्थित डॉ0 अजय कुमार गुप्ता,अशोक कुमार साह,शिशिर कुमार घोष,दिलीप कुमार झा,मसगुल अन्सारी,विजय कुमार दूबे,नाजिर मुर्मू,बिहारी यादव आदि उपस्थित थे।

यूपी पुलिस ने इलाहाबाद हत्या मामले मे एक को मजहरटोला से गिरफ्तार

साहिबगंजः जीरवाबाडी थाना क्षेत्र के अंतर्गत मजहरटोला से एक युवक को यूपी पुलिस के नाम पर पकड़ कर ले जाने का मामला प्रकाश में आया है । इस मामले को लेकर परिवार परेशान है जबकि परिवार का आरोप है।की उन्हें किसी प्रकार का वारंट आदि नही दिया था ।युवक को पकड़ ले जाने के क्रम दौरान पिटाई भी किया ।युवक मजहरटोला निवासी मो अनीश का पुत्र मो आजाद है । इस संदर्भ मे माँ रबिल खातुन ने बताया की रात लगभग नौ बजे काले रंग की स्कापियो से चार से पांच लोग सिविल ड्रेस मे उतरे और इनमे से एक पुलिस ड्रेस मे था । जो अचानक मेरे घर मे घुस कर मेरा बेटा को पकड लिया । जिसमें वह लोग घर मे कुछ खोजने लगा जिससे घर का समान इधर उधर छितरा कर कुछ समान खोज रहे थे । जब पुलिस से पुछे तो उन्होंने ने बताया की इलाहाबाद मे हत्या के मामले मे इसे गिरफ्तार किया गया है । हालांकि यह बात सोचने वाली है की बिना संबंधित थाना प्रभारी को सूचना दिए हुए कैसे गिरफ्तारी की गई ।यह पहली बार हुआ है की बाहर के पुलिस प्रशासन के द्वारा यह काम किया है। क्या पुलिस के भेस मे कोई और तो नही था।

चाकू के बाहर से एक युवक घायल सदर अस्पताल में भर्ती

साहिबगंजःमिजाचौकी थाना क्षेत्र के नया टोला निवासी आयुष कुमार 18 वर्ष के गर्दन पर एक युवक ने चाकू से वार कर घायल कर दिया। घायल किसी तरह अपनी जान बचाकर वहां से भाग निकला और एक घर में पहुंचा। जहां स्वजनों कुछ सूचना मिलते हैं स्थानीय व्यक्ति के सहयोग से घायल आयुष को प्राथमिक उपचार के लिए निजी क्लीनिक में भर्ती करवाया और मिजाचौकी पुलिस को सूचना दिया।जहां मिजाचौकी पुलिस ने तत्काल निजी क्लीनिक में युवक का प्राथमिक उपचार करवाया और बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती करवाया। घायल आयुष ने बताया कि ट्यूशन पढ़कर लगभग आठ बजे वापस आ रहे थे और शौच के लिए जा रहे थे तो सन्नी कुमार एवं श्याम कुमार ने रोका और बोला की चलो हम तुम्हें कुछ दिखाएंगे तो हमने जाने से मना कर दिया फिर दोनों ने कुछ आपस में बात की फिर कहां चलो और तीन पुलवा के पास लेकर चला गया और श्याम कुमार ने मेरे गर्दन पर चाकू मार दिया और गाली गलौज देने लगा किसी तरह से वहां से हम भाग निकले और अपने घर पहुंचे। बताया कि मंगलवार को दोनों से झगड़ा हुआ था उसने कहा था कि तुमको हम मार देंगे लेकिन हमें लगा वह मजाक कर रहा है। बड़ताला पंचायत के उप मुखिया प्रतिनिधि राजेश कुमार और राम ने बताया कि मेरे घर के ही बगल में आयुष का घर है किसी ने फोन किया कि आयुष को किसी ने चाकू मार दिया है। वह जान बचाकर आपके घर में है। मै भागते हुए घर गया और घायल आयुष को देखा तुरंत इसकी जानकारी मिजाचौकी की थाना प्रभारी को दिया और इलाज के लिए नजदीकी क्लीनिक में लेकर गया जहां प्राथमिक उपचार हुई।

आपदा प्रबंधन प्रभाग के सचिव राजेश शर्मा ने अपने पदस्थापना काल में विभाग को दी है बेहतर विकास गति

विनय मिश्रा

भारतीय प्रशासनिक सेवा 2003 बैच के आईएएस अधिकारी एवं आपदा प्रबंधन विभाग के सचिव राजेश कुमार शर्मा ने अपने पद स्थापना काल के पश्चात से विभाग को बेहतर विकास गति प्रदान की है श्री शर्मा झारखंड के उन सफलतम आईएएस अधिकारी के रूप में पहचाने जाते हैं जिनके बेहतर और उत्कृष्ट कार्य ही उनकी सशक्त पहचान है।

श्री शर्मा ने आपदा प्रबंधन प्रभाग के 24वें सचिव के रूप में 14 अगस्त 2024 को अपना पदभार ग्रहण किया।श्री शर्मा के योगदान देने के पश्चात से ही इस विभाग के अधिनियम के कार्यों में काफी तेजी आयी अपने पदस्थापना के कार्यकाल में ही श्री शर्मा ने अपने अधीनस्थ कार्यों को बेहतर और सुचारू रूप से क्रिया वंतित कर बेहतर संस्कृति का सृजन किया श्री शर्मा इससे पूर्व कई महत्वपूर्ण विभाग के सचिव भी रह चुके हैं और अपने बेहतर कार्य प्रणाली से उन्होंने अपने पद स्थापना काल के दौरान विभाग और राज्य को एक बेहतर दिशा प्रदान की और इसी का यह परिणाम है कि सचिव श्री शर्मा बताते हैं कि वर्तमान समय में आपदा प्रबंधन प्रभाग अपने दायित्व का कुशलता और बेहतर ढंग से निर्वहन कर रहा है जिसके फल स्वरूप इस विभाग के अधीन कार्यों का ससमय निष्पादन और बेहतर कार्य हेतु विभाग के अधीनस्थ लोगों को दिशा निर्देश दिए गए हैं और इसका परिणाम भी सकारात्मक आया है । विभाग अधीनस्थ सभी कार्यों का बेहतर ढंग से संपादन किया जा रहा है जो विभाग के लिए उपलब्धि और गौरव की बात है गौरतलब हो कि श्री शर्मा इससे पूर्व कई जिलों में भी लोकप्रिय उपायुक्त के रूप में रह चुके हैं जिसमें मुख्य रूप से पाकुड़, सरायकेला -खरसावां, खूंटी ,कोडरमा और गोड्डा जिला शामिल है ऐसे आईए एस अधिकारी से राज्य और विभाग दोनों गौरवान्वित हुआ करते हैं।

आराध्या की परवरिश को लेकर बोले अभिषेक बच्चन

बेटी की परवरिश और अपने निजी जीवन को लेकर अभिषेक बच्चन ने बात की है। उन्होंने कहा कि माता पिता हमेशा सबसे अच्छे शिक्षक हों जरूरी नहीं है। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में अभिषेक बच्चन ने पैरेंटिंग को लेकर अपना दृष्टिकोण पर विचार साझा किया। साथ ही उन्होंने युवा पीढ़ी की बदलती मानसिकता पर भी अपने विचार बताए। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि माता-पिता सबसे अच्छे शिक्षक हैं या नहीं। मैं इस पर कुछ नहीं कह सकता हूं। मुझे लगता है कि हमारी भावनाएं आड़े आती हैं। हमारे बच्चों की यह इच्छा कि वे सब कुछ सही करें और सफल हों और खुद को चोट न पहुंचाएं ऐसा नहीं हो सकता। हम अपने बच्चों के लिए जो सोचते हैं, उससे उन्हें भी नुकसान पहुंच सकता है।

माता-पिता से सीख मिली

अभिषेक बच्चन ने कहा कि मैंने अपने माता-पिता से जो कुछ भी सीखा उसे समझा। वह उनके व्यवहार को देखकर है, जरूरी नहीं कि उन्होंने मुझे जो बताया है, उससे ही सीखा है।卐 अभिषेक बच्चन ने कहा कि मेरे माता पिता ने हमेशा मुझे अपने फैसले खुद लेने की स्वतंत्रता दी। मैं खुद ये सोचता हूं, कि अगर परिस्थिति में मेरे पापा होते तो क्या करते। उसी हिसाब से मैं भी चीजें करता हूं।

परवरिश के लेकर बोले अभिषेक

आराध्या की परवरिश को लेकर अभिषेक ने कहा, मुझे लगता है कि आज की जनरेशन वाकई बहुत अलग है। उन्हें किसी भी तरह की पहले से चली आ रही चीजों को जरूरी समझने की जरूरत नहीं है, जैसे हम करते आ रहे हैं। उन्हें लगता है कि वे ये काम बस इसलिए नहीं कर सकते कि उनके माता पिता ने ये काम नहीं किया या मना किया। वे हमेशा कुछ नया करने की कोशिश करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि मैं मानता हूं कि अगर माता पिता हैं, या कोई उम्र में बड़ा है तो जरूरी नहीं कि वह सही सलाह दे या हर बात का सही जवाब ही दें।

इस फिल्म में नजर आए अभिषेक बच्चन

वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिषेक बच्चन को हाल ही में आई फिल्म आई वांट टू टॉक में देखा गया। हालांकि, यह फिल्म फैंस पर अपना कुछ खास जादू नहीं चला सकी थी। आई वांट टू टॉक अब ओटीटी पर भी रिलीज हो चुकी है। इसकी घोषणा खुद सुजीत सरकार ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर की।

फिल्म धूम धाम में प्रतीक गांधी के साथ नजर आने वाली हैं यामी गौतम

प्यार, हंसी और शादी की रस्मों से सजी फिल्म धूम धाम ओटीटी पर रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म में यामी गौतम प्रतीक गांधी के साथ नजर आने वाली हैं। फिल्म का निर्देशन ऋषभ सेठ ने किया है। फिल्म का प्रोडक्शन आदित्य धर और लोकेश धर ने किया है। फिल्म 14 फरवरी यानी वैलेंटाइन डे पर रिलीज होने वाली है।

ऐसी है फिल्म की कहानी

यामी गौतम और प्रतीक गांधी की जोड़ी को फिल्म में देखा जाने वाला है। ये कहानी है कोयल और वीर की। वीर एक मम्मा बॉय है जो कि एक एनिमल डॉक्टर भी है। वहीं, यामी गौतम के किरदार कोयल चुलबुली सी लड़की है। फिल्म का टीजर आज नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुआ है। इसमें कोयल और वीर की लव स्टोरी में ड्रामा और कॉमेडी की मिली जुली झलक दिखाई दे रही है। फिल्म को लेकर आदित्य धर ने कहा कि वह कुछ अलग और मनोरंजक बनाना चाहते थे। जहां हंसी, एक्शन और रोमांस शामिल हो। फिल्म में फैंस को यामी और प्रतीक की जोड़ी देखने को मिलने वाली है।

इस ओटीटी पर रिलीज होगी फिल्म

यामी गौतम और प्रतीक गांधी की फिल्म धूम धाम ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। ओरिजन फिल्म की निर्देशक रुचिका कपूर शेख ने कहा, धूम धाम एक कॉमेडी ड्रामा फिल्म है, जो शादी के दिन कुछ अलग सी ही चीजें लेकर आता है। इस फिल्म के जरिए हम अपने दर्शकों का मनोरंजन कर सकेंगे।

बॉलीवुड में करियर बनाना चाहते हैं यशवर्धन

बॉलीवुड स्टार किड्स का फिल्मों में आना कोई नई बात नहीं है। हाल ही में रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी और अजय देवगन के भतीजे अमन देवगन ने फिल्म आजाद के जरिए अपना बॉलीवुड डेब्यू किया। हालांकि बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई, लेकिन फिल्म में राशा का डांस और अभिनय प्रशंसकों को बेहद पसंद आया। वहीं अब गोविंदा के बेटे यशवर्धन भी बॉलीवुड फिल्मों में अपनी किस्मत आजमाने जा रहे हैं।

गोविंदा के बेटे यशवर्धन आहूजा और बाबिल एक फिल्म में साथ काम सकते हैं। कथित तौर पर यशवर्धन आहूजा, साई राजेश द्वारा निर्देशित आगामी अनाम रोमांटिक ड्रामा में नजर आ सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म में एक और स्टार किड भी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आ सकता है। दिवंगत अभिनेता इरफान खान के बेटे बाबिल खान हैं।

पिता के नक्शेकदम पर यशवर्धन

दरअसल, कथित तौर पर फिल्म निर्माता अपनी रोमांटिक फिल्म के लिए नए चेहरा चाहते हैं, जिसके चलते बाबिल खान और यशवर्धन आहूजा को कास्ट करने की योजना बनाई जा रही है। अल्लू अरविंद और एसकेएन फिल्म्स के सहयोग से मधु मंटेना द्वारा निर्मित इस फिल्म का निर्देशन साई राजेश करेंगे, जो कलर फोटो, हृदय कलेयम और बेबी जैसी बेहतरीन तमिल फिल्मों के लिए प्रसिद्ध हैं।

धूम 4 की स्टार कास्ट फाइनल? अभिषेक बच्चन को विक्की कौशल ने किया रिप्लेस

बॉलीवुड की एक्शन ड्रामा फिल्म धूम 4 को लेकर अटकलें लगाई जा रही है कि इस फिल्म में नई स्टार कास्ट को फाइल कर लिया है। अभिषेक बच्चन और उदय चोपड़ा के रोल में कथित तौर पर इस बार बॉलीवुड के ये स्टार्स नजर आएंगे। धूम 4 में विक्की कौशल इस फ्रैंचाइजी में शामिल हो सकते हैं और अभिषेक की जगह ले सकते हैं। धूम 4 में रणबीर कपूर मुख्य खलनायक की भूमिका में होंगे। हालांकि जूनियर बच्चन की जगह कोई और ले सकता है, लेकिन उदय चोपड़ा की जगह कौन ले सकता है? मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विक्की कौशल ने वाईआरएफ के प्रमुख आदित्य चोपड़ा से मुलाकात की, जिन्होंने अभिनेता को दो प्रोजेक्ट्स में कास्ट करने के लिए कहा है, जिनमें से एक धूम 4 है। विक्की को अभिषेक बच्चन (एसीपी जय दीक्षित) की पुलिस वाले की भूमिका मिलेगी। धूम 4 के अलावा, विक्की को आलिया भट्ट की अल्फा में भी देखा जा सकता है। बहरहाल, अभी तक इसे लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

हॉलीवुड की प्रमुख अभिनेत्रियों के बराबर हैं बॉलीवुड की सबसे स्टाइलिश अदाकारा मौनी रॉय

मौनी रॉय को भारत की सबसे स्टाइलिश स्टार्स में से एक के रूप में तेज़ी से उभरना सरप्राइज से कम नहीं है। प्रेस इवेंट में चमकदार उपस्थिति से लेकर लंदन फैशन वीक में धूम मचाने और यहां तक कि इबीसा में आकर्षक हॉलिडे लुक पेश करने तक, मौनी की फैशन यात्रा ग्लोबल ट्रेंड और व्यक्तिगत आकर्षण का एक बेहतरीन मिश्रण दर्शाती है। जो चीज़ उन्हें अपने कई समकालीनों से अलग करती है, वह अपने विशिष्ट, फैशन-फ़ॉरवर्ड सौंदर्य के प्रति सच्चे रहते हुए सहजता से हॉलीवुड-स्तर के ग्लैमर को प्रसारित करने की उनकी क्षमता है। चाहे वह बोल्ड मोनोक्रोम सूट, रॉकिंग स्ट्रक्चर्ड कॉउचर गाउन, या जीवंत वेकेशन वियर को अपनाना हो, मौनी की पोशाक पसंद हमेशा सही केंद्र पर होती है। विस्तार पर उनकी पैनी नज़र, त्रुटिहीन एक्सेसरीज़ का चयन, और क्या काम करता है इसकी सहज समझ उन्हें हर जगह महिलाओं के लिए स्टाइल प्रेरणा बनाती है।

सहज फैशन – मौनी रॉय की फैशन पसंद सोफेस्टिकेशन, टाइमलेस और कॉन्टेंप्रोरी स्वभाव के बीच एक आदर्श संतुलन दर्शाती है। चाहे वह रेड कार्पेट इवेंट हो या इबीसा में छुट्टी पर एक आकस्मिक दिन, उनका लुक शानदार, ठाठदार और हमेशा अंतरराष्ट्रीय रुझानों के साथ तालमेल में होता है, जो उन्हें अपने साथियों के बीच अलग बनाता है।

हॉलीवुड आइकॉन के बराबर रेड कार्पेट ग्लैमर – कान्स के ग्लैमर को उजागर करने वाले शानदार गाउन से लेकर हॉलीवुड के सर्वश्रेष्ठ संरचित एलबीडी तक, मौनी की रेड कार्पेट उपस्थिति अनुग्रह और शिष्टता में एक मास्टरक्लास होते है। वह सुनिश्चित करती हैं कि उनका लुक विश्व स्तर पर प्रासंगिक और इंस्टाग्राम-योग्य हो।

रुझानों के प्रति एक साहसी दृष्टिकोण – हॉलीवुड के ट्रेंडसेटरों की तरह, मौनी प्रेस मीट, मूवी स्क्रीनिंग और डेट नाइट्स में फैशन-फ़ॉरवर्ड शैलियों के साथ प्रयोग करने में निडर हैं। उन्होंने विविध सौंदर्यशास्त्र को अपनाने में अपनी बहुमुखी प्रतिभा और आत्मविश्वास का प्रदर्शन करते हुए, बोल्ड मोनोक्रोमैटिक पावर सूट से लेकर अलौकिक लहंगे तक सब कुछ सफलतापूर्वक किया है।

बेदाग स्टाइल और बारीकियों पर ध्यान – मौनी अपने लुक को सटीकता के साथ तैयार करती हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि हर चीज़- बाल और मेकअप से लेकर पोशाक समन्वय तक – सहजता से फिट बैठता है और एक कहानी कहता है। विस्तार पर उनका बहुत ध्यान और उच्च गुणवत्ता वाली टेलरिंग के प्रति प्रतिबद्धता उन्हें हॉलीवुड के अभिजात वर्ग की तुलना में एक शानदार बढ़त देती है।

इंडोनेशिया मास्टर्स : क्वार्टर फाइनल में पहुंचे चीनी शटलर

एजेंसी

जकार्ता : चीनी शटलर गुरुवार को जकार्ता के इस्तोरा सेनयान स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित 2025 इंडोनेशिया मास्टर्स में चार श्रेणियों में क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। चीन की दुनिया की 10वें नंबर की मिश्रित युगल जोड़ी गुओ शिनवा और चेन फांगहुई ने चीनी ताइपे की चेन चेंग कुआन और ह्सू यिन-हुई को मात्र 29 मिनट में 21-10, 21-18 से हराकर अंतिम आठ में अपनी जगह पक्की कर ली। क्वार्टर फाइनल में गुओ और चेन का सामना हमवतन चेंग जिंग और झांग ची से होगा, जिन्होंने साथी चीनी जोड़ी गाओ जियाक्सुआन और वू मेंगिंग पर 21-18, 18-21, 21-7 से जीत हासिल की। पुरुष युगल में, जी हाओनान और जेंग वेहान ने मलेशिया के टैन वी कियोंग और नूर मोहम्मद अज़्रियन अयूब पर 21-16, 21-14 से जीत हासिल की। इस बीच, महिला युगल में, जिया यिफान और झांग शुक्सियन ने अपनी टीम के साथी ली यिजिंग और लुओ जुमिन को 21-11, 21-19 से हराकर अपना दबदबा दिखाया। पुरुष एकल में, चीन के विश्व नंबर 1 शि यूकी ने दक्षिण कोरिया के जियोन ह्योक-जिन पर 21-11, 21-14 से सीधी जीत हासिल की। अब शी का सामना हमवतन वेंग होंगयांग से होगा, जिन्होंने चीनी ताइपे के ची यू-जेन को 21-10, 21-11 से हराया। इसके अलावा, ली शिफेंग ने कनाडा के ब्रायन यांग को सीधे सेटों में हराया और अब सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए चीनी ताइपे के वांग त्जु-वेई से भिड़ेंगे। 2025 इंडोनेशिया मास्टर्स रविवार तक चलेगा।

फ्रांस के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी मुआनी ऋण पर जुवेंटस में हुए शामिल

रोम : जुवेंटस ने अंततः गुरुवार को पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) से फ्रांसीसी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रैंडल कोलो मुआनी को ऋण पर लेने की घोषणा की है। फ्रांसीसी लीग-1 टीम ने प्रशासनिक मुद्दों को सुलझा लिया है। मुआनी पहले ही मेडिकल परीक्षण करवा चुके थे और उन्होंने कागजी कार्रवाई पर हस्ताक्षर भी कर दिए थे, यहां तक ??कि वह पिछले सप्ताह से टीम के साथ प्रशिक्षण भी कर रहे हैं, लेकिन सीरी ए की दिग्गज कंपनी को इसे आधिकारिक बनाने के लिए इंतजार करना पड़ा, क्योंकि पीएसजी ने विदेशी क्लबों को खिलाड़ी उधार देने की अधिकतम सीमा तय कर दी थी। पीएसजी ने अंततः मुआनी के लिए जगह खाली कर दी, क्योंकि इसने एक अन्य ऋणदाता जुआन बर्नट के अनुबंध को समाप्त कर दिया और उसे स्थायी आधार पर विलारियल में शामिल होने की अनुमति दी।

कपिल देव ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से पहले टीम इंडिया को दीं शुभकामनाएं

एजेंसी

गुरुग्राम : दिग्गज भारतीय क्रिकेटर और पूर्व कप्तान कपिल देव ने 19 फरवरी से शुरू होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से पहले टीम इंडिया को शुभकामनाएं दी हैं। कपिल गुरुवार को गुरुग्राम के सत्या स्कूल में आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। मीडिया से बातचीत में विश्व कप विजेता कप्तान से टूनार्मेंट के लिए भारत को शुभकामनाएं दीं। आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी का नौवां संस्करण 19 फरवरी से 9 मार्च तक पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात में होने वाला है। आठ टीमों के इस टूनार्मेंट में 15 मैच 50 ओवर के होंगे और यह पाकिस्तान और दुबई में खेले जाएंगे। टूनार्मेंट का सबसे बड़ा मैच दो चिर प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान के बीच 23 फरवरी को दुबई में खेला जाएगा। भारत अपने अभियान की शुरूआत 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ करेगा। भारत का आखिरी लीग मैच 2 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ होगा। टूनार्मेंट के ग्रुप ए में मौजूदा चैंपियंस ट्रॉफी धारक और मेजबान पाकिस्तान, भारत, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश शामिल हैं, जबकि ग्रुप बी में क्रिकेट विश्व कप 2023 चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं।

भारत के ग्रुप चरण के मैच:

20 फरवरी – भारत बनाम बांग्लादेश, दुबई
23 फरवरी – भारत बनाम पाकिस्तान, दुबई
2 मार्च – भारत बनाम न्यूजीलैंड, दुबई।

सीनेट ने मार्को रूबियो को विदेश मंत्री बनाने की दी मंजूरी, ट्रंप कैबिनेट के पहले सदस्य बने

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेट ने मार्को रूबियो को देश का अगला विदेश मंत्री बनाने की मंजूरी दे दी है। सीनेट ने सर्वसम्मति से मार्को रूबियो का नाम मंजूर किया। इसके साथ ही ट्रंप की कैबिनेट में जगह पक्की करने वाले मार्को रूबियो पहले नेता बन गए हैं। सीनेट के सभी 99 सदस्यों ने रूबियो का समर्थन किया। इनमें खुद रूबियो का नाम भी शामिल है। ओहायो से सीनेटर जेडी वेंस, जो अब अमेरिका के उपराष्ट्रपति हैं, वे सीनेट से इस्तीफा दे चुके हैं। यही वजह रही कि सीनेट की एक सीट खाली है और सिर्फ 99 सदस्यों ने मतदान किया।

मार्को रूबियो लैटिन अमेरिकी मूल के नेता हैं और साल 2011 से फ्लोरिडा से सीनेटर हैं। रूबियो को चीन का कट्टर विरोधी माना जाता है और यही वजह है कि उन्हें चीन ने साल 2020 में प्रतिबंधित भी कर दिया था। रूबियो सीनेट की खुफिया मामलों की समिति के भी सदस्य रहे हैं। लैटिन मूल के रूबियो पहले नेता हैं, जो अमेरिका के विदेश मंत्री पद तक पहुंचे हैं, साथ ही अमेरिका के 72वें विदेश मंत्री होंगे। सीनेट की विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष जिम रीच ने रूबियो की तारीफ की और कहा कि जब अमेरिका कई चुनौतियों से जूझ रहा है और उसके दुश्मन उसे कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं।

विवेक रामास्वामी ट्रंप के सरकारी कार्यदक्षता विभाग का हिस्सा नहीं होंगे, नई भूमिका की तैयारी

वाशिंगटन , एजेंसी। उद्यमी विवेक रामास्वामी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सरकारी कार्यदक्षता विभाग का हिस्सा नहीं होंगे। उन्हें व्हाइट हाउस में नए सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) का नेतृत्व करने के लिए चुना गया था। हालांकि अब इस भूमिका को नहीं निभाएंगे। क्योंकि वह ओहायो के गवर्नर चुनाव की तैयारी कर रहे हैं। यह जानकारी व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने दी। अब डीओजीई की जिम्मेदारी एलन मस्क को दी गई है, जिन्हें सोमवार दोपहर व्हाइट हाउस में देखा गया। अधिकारियों ने बताया कि मस्क को व्हाइट हाउस पास दिया गया है, और वह वेस्ट विंग से काम करेंगे। ट्रंप-वैन्स ट्रांजिशन की प्रवक्ता एना केली ने कहा, विवेक रामास्वामी ने डीओजीई की स्थापना में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने बताया कि गवर्नर चुनाव में उतरने की इच्छा के चलते विवेक ने इस कमेटी से अलग होने का फैसला किया है। केली ने कहा, उनकी योजना जल्द ही चुनाव लड़ने की है, जिसके कारण उन्हें डीओजीई से बाहर रहना होगा। हम उनके योगदान के लिए दिल से धन्यवाद देते हैं और उम्मीद करते हैं कि वे अमेरिका को महान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। डीओजीई से अलग होने के बाद रामास्वामी ने इसका हिस्सा बने रहने के लिए सम्मान बताया और अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर जल्द घोषणा करने की बात कही। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, डीओजीई की स्थापना में

सहयोग करना मेरे लिए सम्मान की बात थी। मुझे भरोसा है कि एलन और उनकी टीम सरकार को बेहतर बनाने में सफल होंगे।

उन्होंने आगे कहा, मैं ओहायो में भविष्य की योजनाओं पर जल्द ही कुछ और साझा करूंगा। सबसे महत्वपूर्ण बात, राष्ट्रपति ट्रंप के साथ मिलकर अमेरिका को महान बनाने के लिए हम पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। रामास्वामी और स्पेसएक्स व टेस्ला के सीईओ एलन मस्क को पिछले नवंबर में राष्ट्रपति ट्रंप ने एक नई पहल का नेतृत्व करने के लिए चुना था। इस पहल का मकसद व्हाइट हाउस और उसके प्रबंधन व बजट कार्यालय के साथ मिलकर काम करना है। 39 वर्षीय रामास्वामी पहले रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार रह चुके हैं। उन्हें पिछले महीने सोशल मीडिया पर की गई एक पोस्ट को लेकर आलोचना का सामना करना पड़ा। इस पोस्ट में उन्होंने तर्क दिया था कि अमेरिकी संस्कृति औसत दर्जे की चीजों का जश्न मना रही है। ओहायो के निवासी रामास्वामी का नाम उस समय चर्चा में आया जब उन्हें अमेरिकी सीनेट में उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस की जगह लेने के लिए संभावित उम्मीदवार माना जा रहा था। हालांकि, गवर्नर माइक डेवाइन ने इसके लिए लेफ्टिनेंट गवर्नर जॉन हस्टेड को चुना। जब एक्स पर एक रामास्वामी पैरोडी अकाउंट ने दावा किया कि वह ओहायो में गवर्नर का चुनाव लड़ने वाले हैं, तो असली रामास्वामी ने जवाब दिया था।

ट्रंप सरकार में बिना वैध कागज अमेरिका में रहना मुश्किल...

18 हजार भारतीयों को लेकर सरकार चिंतित

-अमेरिका इन भारतीयों को नई दिल्ली वापस भेज सकता

वाशिंगटन (एजेंसी)। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में आते ही अवैध प्रवासियों पर एक्शन शुरू कर दिया है। इससे अमेरिका में रह रहे वैसे प्रवासी डर में हैं जिनके कागज यानी कि वीजा दस्तावेज पूरे नहीं हैं। इन लोगों ने कानूनी विकल्पों का सहारा लेना शुरू कर दिया है। इस बात को लेकर भारत में भी चिंता है। अमेरिकी प्रशासन की ओर से तैयार दस्तावेजों के अनुसार अमेरिका में करीब 18 हजार वे भारतीय हैं जिनके पास अमेरिका में रहने के लिए पर्याप्त वैध दस्तावेज नहीं हैं। ट्रंप प्रशासन इन भारतीयों को नई दिल्ली वापस भेज सकता है।

यूएस इमिग्रेशन एंड कस्टम इनफोर्समेंट (आईसीआई) के आंकड़ों के अनुसार नवंबर 2024 तक 20407 लोग थे, जिन्हें अमेरिका बगैर दस्तावेजों अथवा अधूरे दस्तावेजों के बताता है। इन भारतीयों पर ही ट्रंप प्रशासन की पैनी नजर है इसमें 2,467 भारतीय यूएस इमिग्रेशन के डिटेंशन कैंप में बंद हैं। जबकि 17,940 भारतीय को अमेरिका पेपरलेस बताता है।

रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका में भारतीय तीसरे इसतरह के सबसे बड़े समुदाय हैं जिन्हें अमेरिका बिना दस्तावेज वाले प्रवासी मानता है। मामले में नंबर एक अमेरिका के पड़ोसी मैक्सिकन और दूसरे नंबर पर सल्वाडोर के नागरिक हैं।

आईसीआई की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार चार साल में डिपोर्ट किए जाने वाले भारतीयों की संख्या 5 गुना बढ़ गई है। अमेरिका ने 2021 में 292 भारतीयों को डिपोर्ट किया था 2024 में ये संख्या 1529 हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार 6 दिसंबर को विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने बताया था कि अमेरिकी आंकड़ों के अनुसार नवंबर 2023 से अक्टूबर 2024 के बीच अमेरिका ने 519 भारतीयों को डिपोर्ट किया है।

क्या होता है फाइनल रिमूवल ऑर्डर

रिमूवल ऑर्डर आव्रजन (इमिग्रेशन) न्यायाधीश द्वारा जारी किया जाता है। जब प्रवासी की अर्जी पर सुनवाई करने वाला अपीलीय प्राधिकारी आदेश की पुष्टि कर देता है, तब फिर ये अंतिम निष्कासन आदेश यानी कि फाइनल रिमूवल ऑर्डर बन जाता है। अमेरिका में वर्तमान में 20407 भारतीय प्रवासी है। अमेरिकी कानून कहता है कि इन भारतीयों के पास अमेरिका में रहने के लिए पूरे कागज नहीं हैं।

अमेरिका में कितने अवैध प्रवासी

आंकड़े बताते हैं कि अमेरिका में 1 करोड 10 लाख से लेकर 1 करोड़ 40 लाख के बीच प्रवासी हो सकते हैं। हालांकि ट्रंप का मानना है कि ये संख्या 2 से 2.5 करोड़ हो सकती है। गौरतलब है कि अमेरिका की कुल आबादी ही 34 करोड़ है। ट्रंप प्रशासन ने आपराधिक रिकॉर्ड वाले 6,55,000 व्यक्तियों के निर्वासन को प्राथमिकता दी है। इसके अलावा 14 लाख वे व्यक्ति हैं जिन्हें पहले ही रिमूवल ऑर्डर मिल चुका है।

आधी रात को आए सबसे शक्तिशाली भूकंप से थर्राया ताइवान, 15 से ज्यादा लोग घायल

ताइपे, एजेंसी। भूकंप के झटकों से एक बार फिर धरती हिल गई है। आज मंगलवार 21 जनवरी की सुबह भारतीय समयानुसार करीब 1:30 बजे ताइवान में भूकंप आया। ताइवान के दक्षिणी इलाके में भूकंप के झटके महसूस किए गए। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने भूकंप की पुष्टि की और कहा कि ताइवान में भूकंप में 15 लोग घायल हुए हैं। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 6.4 थी। भूकंप का केंद्र ताइवान के युजिंग शहर से 12 किलोमीटर उत्तर में पाया गया। ताइवान अग्निशमन विभाग के अनुसार, घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों में एक बच्चा भी शामिल है। वहीं, ताइनान शहर के नानक्सी जिले में भूकंप से नष्ट हुए एक घर के मलबे से 6 घायल लोगों को बचाया गया। भूकंप के प्रभाव से राज्य राजमार्ग पर बना झूवेई पुल भी क्षतिग्रस्त हुआ है, लेकिन किसी के मरने की खबर नहीं है।

भूकंप से ताइवान में भारी तबाही हुई है : मिंट की रिपोर्ट के मुताबिक, अप्रैल 2023 में भी ताइवान में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। हुआलिएन शहर में 7.4 तीव्रता का भूकंप आया, जिसमें 13 लोगों की जान चली गई और एक हजार से अधिक लोग घायल हो गए। ताइवान प्रशांत महासागर में रिंग ऑफ फायर पर स्थित है, इसलिए इस देश में अक्सर भूकंप आते रहते हैं। क्योंकि ताइवान दो टेक्टोनिक प्लेटों के बीच स्थित है, यह भूकंप के सबसे संवेदनशील क्षेत्र में आता है। वर्ष 2016 में ताइवान में आए भूकंप में 100 से अधिक लोग मारे गए थे। वर्ष 1999 में ताइवान में 7.3 तीव्रता का भूकंप आया था और लगभग 2000 लोग मारे गए थे। इसलिए ताइवान की सरकार समय-समय पर लोगों को सचेत करती रहती है और वहां के लोग भूकंप जैसी आपदा से निपटने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। आपको बता दें कि 7 जनवरी को भारत के पड़ोसी देश तिब्बत में भीषण भूकंप आया था, जिसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 6.8 थी। इतनी तीव्रता के भूकंप ने दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट के पास स्थित शिगात्से शहर को मलबे के ढेर में बदल दिया। यह शहर चीन के कब्जे में है। भूकंप के कारण तिब्बत में लगभग 130 लोग मारे गए। इस भूकंप के बाद से आज तक तिब्बत में हर दिन भूकंप के झटके महसूस किए जा रहे हैं। इस भूकंप का केंद्र तिब्बत के टिंगरी काउंटी में पाया गया, जो माउंट एवरेस्ट से 80 किलोमीटर (50 मील) उत्तर में स्थित है, और भूकंप की लहरें लगभग 10 किलोमीटर की गहराई पर उठीं। भूकंप भारतीय समयानुसार सुबह करीब 9:05 बजे आया। भूकंप का असर चीन, नेपाल, भूटान और भारत के कुछ जिलों के साथ-साथ बांग्लादेश में भी महसूस किया गया।

लगातार ताकतवर हो रही भारतीय सेना, अब खरीदे जाएंगे 47 टी-72 ब्रिज लेइंग टैंक

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को भारतीय सेना के लिए 47 ब्रिज लेइंग टैंकों (बीएलटी) की खरीद के लिए हैवी व्हीकल फैक्ट्री के साथ 1 हजार 560.52 करोड़ रुपए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह सिस्टम एक महत्वपूर्ण उपकरण है, जिसका प्रयोग यांत्रिक बल द्वारा आक्रामक और रक्षात्मक दोनों तरह के अभियानों के दौरान पुलों का निर्माण करने के लिए किया जाता है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इस समझौते पर मंत्रालय और हैवी व्हीकल फैक्ट्री के वरिष्ठ अधिकारियों ने हस्ताक्षर किए। उस दौरान रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह भी उपस्थित रहे। हैवी व्हीकल फैक्ट्री दरअसल आर्मर्ड व्हीकल निगम लिमिटेड की ही एक इकाई है। मंत्रालय ने कहा कि बीएलटी टैंक और बख्तरबंद वाहनों के बेड़े को पुल बनाने की क्षमता प्रदान करता है। इससे युद्ध के मैदान में सेना की गतिशीलता और आक्रामक क्षमता बढ़ती है। समझौते के तहत टैंकों की खरीद (भारतीय-स्वदेशी रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित) होने से रक्षा क्षेत्र में मेक इन इंडिया पहल को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा यह परियोजना समग्र अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और देश में रोजगार के अवसरों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

राहुल गांधी के मानहानि के केस में फिर टली सुनवाई

सुलतानपुर । केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में आरोपी कांग्रेसी नेता राहुल गांधी के केस में बुधवार को वकीलों के प्रस्ताव के कारण सुनवाई टल गई। परिवादी के वकील संतोष पांडेय ने बताया एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट की अदालत में प्रस्ताव के कारण सुनवाई 30 जनवरी तक के लिए टल गई। मामले में बचाव पक्ष द्वारा परिवादी से शेष जिरह में विचाराधीन है। गौरतलब है कि बेंगलुरु में एक जनसभा के दौरान राहुल गांधी ने तत्कालीन बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष व मौजूदा केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर कथित रुप से आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। जिसको लेकर कोतवाली देहात थाने के हनुमानगंज निवासी कोआपरेटिव के पूर्व चेयरमैन व बीजेपी नेता विजय मिश्रा ने चार अगस्त 2018 को राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था, जिसमें राहुल गांधी की जमानत व बयान दर्ज हो चुका है। परिवादी से शेष जिरह की कार्रवाई में मामले की सुनवाई नियत की गई है।

पूर्व विधायक बलजीत यादव के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

जयपुर, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार सुबह बहरोड के पूर्व विधायक बलजीत यादव के ठिकानों पर छापेमारी की है। जानकारी के अनुसार पूर्व विधायक यादव की फर्म पर सरकारी स्कूलों में घटिया सामान की आपूर्ति का आरोप है। जिसके चलते ईडी ने पूर्व विधायक बलजीत सिंह के परिसर सहित जयपुर, दौसा, अलवर और रेवाड़ी में नौ स्थानों पर छापेमारी की जा रही है।

सीएम बनाने की मांग पर बोले शिवकुमार- मैं अपना कर्तव्य निभाऊंगा, पार्टी तय करेगी

हुबली (एजेंसी)। कर्नाटक में एक बार फिर डी शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने की मांग उठी है। इस बार जैन संत गुणाधर नंदी महाराज ने इस आशय की मांग की है। इस पर उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि वह अपना कर्तव्य निभाएंगे और बाकी का फैसला पार्टी करेगी।

नवग्रह तीर्थ महामस्तकाभिषेक कार्यक्रम में पूज्य संत गुणधर नंदी महाराज ने शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनने की इच्छा व्यक्त करते हुए आशीर्वाद दिया।कार्यक्रम में भक्तों को संबोधित करते हुए महाराज ने कहा कि उनके दो सपने हैं- जैनियों के लिए एक निगम बोर्ड का गठन और शिवकुमार का मुख्यमंत्री बनना। उन्होंने मंच पर मौजूद सभी आचार्यों और जैन मुनियों को हाथ उठाकर शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनने का आशीर्वाद देने के लिए आमंत्रित किया।

महाराज ने कहा, मैं शिवकुमार को आशीर्वाद दे रहा हूं। चाहे कुछ भी हो, वह जल्द ही मुख्यमंत्री बनेंगे। मैं यह आशीर्वाद इसलिए दे रहा हूं क्योंकि कांग्रेस पार्टी के लिए इतनी मेहनत और योगदान देने वाला कोई और नहीं है। कोई भी उनके प्रयासों को नजरअंदाज नहीं कर सकता। हमारी इच्छा है कि शिवकुमार एक बार मुख्यमंत्री बनें। वह धर्मनिष्ठ और त्यागी हैं।इस घटनाक्रम ने एक बार फिर कर्नाटक में नेतृत्व के मुद्दे को सामने ला दिया है। इससे पहले, शिवकुमार ने स्पष्ट रूप से कहा था कि राज्य में सत्ता-साझेदारी पर कोई समझौता नहीं है और वह मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के अधीन काम करेंगे। एयरपोर्ट पर मीडिया से बात करते हुए शिवकुमार ने मुख्यमंत्री बनने के लिए संत के आशीर्वाद के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब दिया। उन्होंने कहा, जब आध्यात्मिक नेता हमें आशीर्वाद देते हैं तो हम क्या कह सकते हैं? यह उनकी इच्छा है। हालांकि, हमारी पार्टी सर्वोच्च है। पार्टी जो भी फैसला करेगी, हम उसका पालन करेंगे। मुझे कोई पद पाने की जरूरत महसूस नहीं होती। मेरी जिम्मेदारी पार्टी और सरकार के लिए जो भी काम करना है, उसे करना है। मैं जल्दबाजी में नहीं हूं।

कौन कहां पर गंगा में डुबकी लगाएगा ये बीजेपी वाले तय नहीं कर सकते : डिंपल यादव

मैनपुरी। यूपी के मैनपुरी से सपा सांसद डिंपल यादव ने मिल्कीरपुर उपचुनाव में जीत का बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि उपचुनाव की घोषणा होते ही बीजेपी सरकार के इशारे पर मिल्कीयपुर में संघ और विहिप जैसे संगठन सक्रिय हो चुके हैं। बीजेपी की सभी साजिशों को नाकाम कर जनता सपा प्रत्याशिी को ही वोट देगी। इस दौरान डिंपल ने सपा प्रमुख और सांसद अखिलेश यादव के हरिद्वार में डुबकी लगाने के सवाल का जवाब भी दिया। डिंपल ने कहा कि बीजेपी के नेता ये नहीं तय कर सकते कि कौन कहां डुबकी लगाएगा।

ये हमारा अधिकार है कि हम कब और कहां जाकर गंगा में डुबकी लगाएंगे। बीजेपी के लोग देश का भविष्यय खराब करना चाहते हैं। बता दें कि पांच फरवरी को अयोध्या के मिल्कीपुर में उपचुनाव होना है। आठ फरवरी को नतीजे आएंगे। सपा ने सीट से अयोध्याि सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे अजीत को अपना उम्मीीदवार बनाया है। वहीं बीजेपी ने चंद्रभान पासवान को उतारा है। बसपा ने कोई उम्मीीदवार नहीं घोषित किया है। सपा और बीजेपी दोनों पार्टियों के नेता अपने प्रत्याशी की जीत के लिए पुरजोर कोशिश कर रहे हैं।

राजौरी में रहस्यमयी बीमारी से एक और सदस्य बीमार, चंडीगढ़ किया रेफर

*** प्रशासन द्वारा उपलब्ध खाद्य पदार्थों का ही सेवन करने के आदेश जारी**

राजौरी (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी के बदहाल गांव में 17 मौतों के बाद मंगलवार को पीड़ित परिवार का एक और सदस्य बीमार पड़ गया। उसे गंभीर हालम में चंडीगढ़ रेफर किया गया है। इसके बाद जिला मजिस्ट्रेट राजौरी ने बदहाल गांव को कंटेनमेंट जोन घोषित कर दिया है। आदेश के तहत पूरे बदहाल क्षेत्र को तीन जोनों में बांटा गया है। यह कदम प्रभावित परिवारों और उनके करीबी संपर्कों की निगरानी और नियंत्रण रणनीति पर केंद्रित है।

पहले जोन में उन परिवारों के घरों को सील कर दिया जाएगा, जहां मौतें हुई हैं। इन घरों में किसी को भी जाने की इजाजत नहीं होगी, जब तक कि

पदार्थों का सेवन करें। पुलिस यह भी तय करेगी कि लोग बदले हुए खाद्य पदार्थों का ही सेवन करें। प्रत्येक खाद्य वितरण और खपत को लॉगबुक में दर्ज किया जाएगा। यह लॉगबुक रोज तीन बार अपडेट की जाएगी और संबंधित अधिकारी के इस पर हस्ताक्षर होंगे। वहीं तीनों कंटेनमेंट जोनों के तहत किसी भी प्रकार के सार्वजनिक या निजी कार्यक्रमों पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है।

दूसरे देशों की तरह प्रवासी भारतीयों को संसद में प्रतिनिधित्व देने की उठी मांग, जल्द आएगा बिल !

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के अन्य देशों की तर्ज पर अब भारत में भी प्रवासी भारतीयों (एनआरआई) को संसद में प्रतिनिधित्व देने की मांग उठी है। जिसके जवाब में विदेश मंत्रालय का कहना है कि अप्रवासन के मामले पर मंत्रालय में एक बिल की तैयारी में चर्चा जारी है। दरअसल मंगलवार को शशि थरूर की अध्यक्षता में मंत्रालय की विदेश मामलों की संसदीय समिति की एक बैठक हुई। जिसमें कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने प्रवासियों की बढ़ती संख्या और डायसपोरा से जुड़े हुए मामलों को देखते हुए एनआरआई को संसद में प्रतिनिधित्व देने का सुझाव दिया।

सूत्रों ने बताया कि हुड्डा ने अपने सुझाव के पीछे यह तर्क दिया कि एनआरआई को संसद में प्रतिनिधित्व देने से उनसे जुड़े मामलों पर बेहतर ढंग से विचार किया जा सकेगा। उन्होंने इटली का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने विदेशों में रहने वाले अपने नागरिकों को विधानमंडल में आरक्षण दिया है। बैठक में मामले पर राज्य सरकारों से विमर्श करने का सुझाव भी दिया गया। इसके अलावा प्रवासियों से संबंधित कई अन्य मामले समिति की चर्चा में शामिल हुए।

बैठक के बाद शशि थरूर ने कहा कि प्रवासियों को लेकर व्यापक रूप से काम कर रहे चार संगठनों के साथ समिति ने विचार-विमर्श किया, समिति के सदस्य सांसदों ने बातचीत में पूर्ण सहभागिता की। कई प्रश्न-उत्तर के साथ जीवंत संवाद हुआ। संगठनों ने बैठक के दौरान कई अच्छे सुझाव दिए। जिसमें केरल के एक संगठन ने कहा कि भारतीय संगठन लोगों को विदेशी जरूरतों को लेकर कौशल प्रदान कर सकता है। यह कुशल कर्मियों के अप्रवासन को सुचारू करेगा और अवांछनीय गतिविधियों पर रोक लगेगी। इसमें लोगों के अवैध रूप से विदेशों में बसने पर भी रोक लगेगी। नोरका रूट्स (केरल), पंजाब सरकार का एनआरआई मामलों का विभाग, पीपल ऑफ इंडियन ओरिजिन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीआईओसीसीआई), दिल्ली एंड द सेंटर फॉर डायस्पोरा स्टडीज, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ गुजरात जैसे संगठनों की बैठक में भागीदारी रही।

एक लाख से अधिक हैं पंजीकृत प्रवासी मतदाता

चुनाव आयोग के वर्ष 2024 के आंकड़ों के अनुसार देश में कुल पंजीकृत विदेशी मतदाताओं की संख्या 1 लाख 19 हजार 374 थी। इनमें केरल में सबसे ज्यादा 89 हजार 839 विदेशी मतदाता पंजीकृत हुए थे। जबकि 2019 के लोकसभा चुनाव में पंजीकृत मतदाताओं की संख्या 99 हजार 844 थी। इसके अलावा मतदान के दौरान प्रवासी भारतीय मतदाताओं की रुचि वोट डालने में बेहद कम नजर आती है। पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव में 1 लाख 19 हजार 374 में से केवल 2 हजार 958 मतदाता ही मतदान करने के लिए भारत आए थे। इनमें से 2 हजार 670 अकेले केरल से थे। जबकि कर्नाटक, उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु जैसे कई राज्यों में विदेश मतदाताओं का मतदान में कोई योगदान नहीं देखा गया। महाराष्ट्र में 5 हजार 97 प्रवासी मतदाताओं में से 97 ही चुनाव में अपना वोट डालने के लिए स्वदेश पहुंचे।

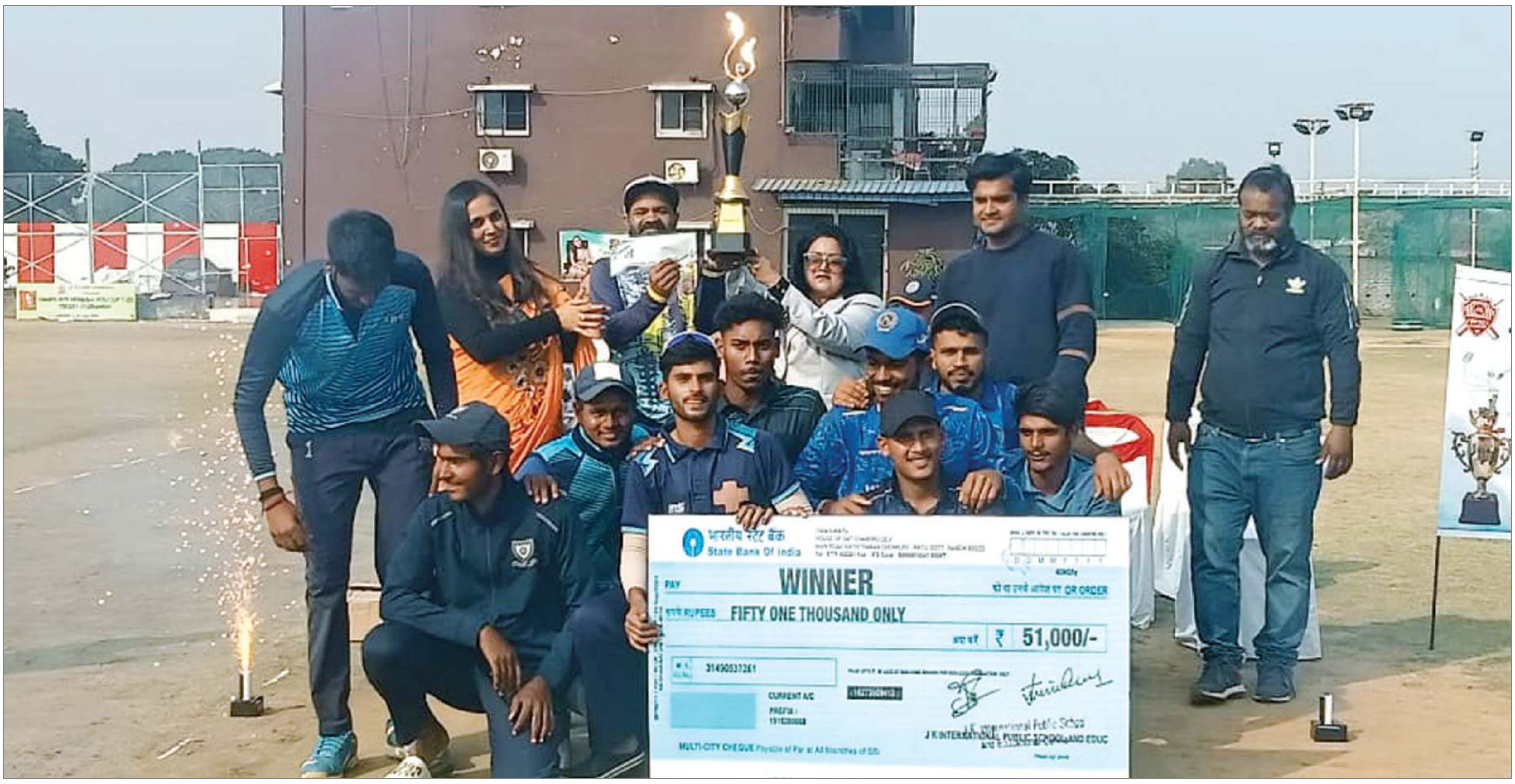

स्वर्गीय अनूठा सिंह टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट

जेके सीनियर्स ने मेकॉन स्पोर्ट्स क्लब को 6 विकेट से हराया

मेट्रो रेज

रांची: शुक्रवार को स्वर्गीय अनूठा सिंह टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मैच जेके सीनियर एवं मेकॉन स्पोर्ट्स क्लब के बीच खेला गया। जेके सीनियर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। वहीं बल्लेबाजी करने उतरी मेकॉन स्पोर्ट्स क्लब की टीम ने सात विकेट खोकर 185 रन बनाया। जवाबी पारी खेलने उतरी जेके क्रिकेट अकादमी के जेके सीनियर्स ने मेकॉन स्पोर्ट्स क्लब को 6 विकेट हराया। जेके ने चार विकेट खोकर 188 रन बनाया। इसके पूर्व फाइनल मैच में आए खिलाड़ियों का स्वागत नन्हे-नन्हे विद्यार्थियों द्वारा नृत्य प्रस्तुत करके किया गया विद्यालय की प्राचार्या खुशबू झा ने पुष्प गुच्छ देकर मुख्य अतिथि एवं खिलाड़ियों का अभिवादन किया ।